MUMBAI TARANG

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-04 ❖ अंक-15 ❖ मुंबई ❖ रविवार 02 से 08 अप्रैल 2023 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2021-2023

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

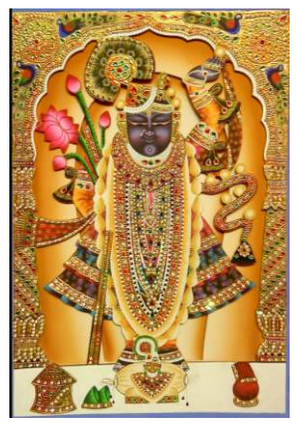

पेज 3

सीएम ने अधिकारियों को जारी किया आदेश जनता से मिलने को समय निकालने का फरमान

पेज 5

हिमंत विश्व शर्मा ने केजरीवाल के खिलाफ मानहानि का मुकदमा करने की चेतावनी दी

पेज 7

बॉलीवुड पर क्या बोली काजल

पेज 8

पूजा हेगड़ेका साउथ इंडियन स्टाइलेमें दिखा जलवा

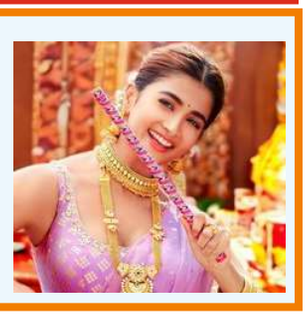

एक नजर

कठुआ जिले में भीषण विस्फोट, ग्रेनेड बरामद

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास एक गांव में भीषण विस्फोट होने से जमीन में बड़ा गड्ढा हो गया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। बुधवार रात हुए विस्फोट के बाद सीमावर्ती क्षेत्रों और जम्मू-पठानकोट राजमार्ग पर सुरक्षा बलों को 'हाई अलर्ट' पर रखा गया है। कठुआ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) शिवदीप सिंह जामवाल ने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह इलाके की तलाशी के बाद एक ग्रेनेड बरामद हुआ।

कर्नाटक : जेडीएस विधायक अयोग्य

बेंगलुरु। कर्नाटक में तुमकुरु ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र से जनता दल (सेकुलर) के विधायक डी सी गौरीशंकर स्वामी को कथित चुनावी अनियमितता के एक मामले में बृहस्पतिवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय ने सदस्यता से अयोग्य करार दिया। हालांकि अदालत ने अयोग्यता को एक महीने के लिए निलंबित करते हुए स्वामी को उच्चतम न्यायालय में अपील दाखिल करने की अनुमति दी। उच्च न्यायालय की एकल पीठ चुनाव में हारने वाले भाजपा प्रत्याशी बी सुरेश गौड़ा की याचिका पर फैसला सुना रही थी। गौडा ने आरोप लगाया कि 2018 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव में मतदाताओं को फर्जी बीमा बांड बांटकर स्वामी ने कथित तौर पर चुनावी गड़बड़ी की।

विचाराधीन कैदियों की संख्या 17.64 लाख

नई दिल्ली। देश भर की जेलों में वर्ष 2017 से 2021 के बीच बंद विचाराधीन कैदियों की कुल संख्या 17.64 लाख से अधिक है और इनमें सर्वाधिक कैदी अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से हैं। हालांकि सरकार के पास यह आंकड़ें नहीं है कि इस अवधि में कितने विचाराधीन कैदियों की हिरासत में मृत्यु हुई है। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा ने राज्यसभा में एक लिखित जवाब में बुधवार को बताया कि वर्ष 2017 से लेकर 31 दिसंबर 2021 की स्थिति के अनुसार देश भर में विचाराधीन कैदियों की कुल संख्या 17,64,788 है।

संजय राउत को लॉरेंस बिश्नोई ने दी जान से मारने की धमकी !

मुंबई: शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत को जान से मारने की धमकी मिली है। यह धमकी उन्हें गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की ओर से मिली है। रिपोर्टों में कहा गया है कि कथित धमकी संजय राउत को उनके मोबाइल पर मिली है। भेजने वाले ने वॉट्सऐप पर मेसेज भेजा है, जिसमें लिखा है कि शिवसेना नेता की दिल्ली में एके-47 राइफल से गोली मारकर हत्या कर दी जाएगी। धमकी मिलने के बाद संजय राउत ने मुंबई पुलिस को इसकी शिकायत की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। संजय राउत के करीबियों ने बताया कि उद्धव ठाकरे गुट के नेता ने मुंबई पुलिस आयुक्त को सूचित किया है। इससे पहले राउत ने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को अपनी जान के खतरे से अवगत कराया था। सलमान खान को मिली थी धमकी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को खत्म करने की धमकी भी दी थी। मार्च 2022 में, सलमान खान के कार्यालय को सालों पहले एक काले हिरण को 'मार' कर बिश्नोई समुदाय को 'अपमानित' करने के लिए लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से धमकी मिली थी।

महाराष्ट्र में सावरकर पर नहीं थम रही सियासत सरकार ने किया वीरभूमि परिक्रमा का एलान

महाराष्ट्र सरकार दिवंगत हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर की जयंती के उपलक्ष्य में 21 मई से 28 मई के बीच 'वीरभूमि परिक्रमा' का आयोजन करेगी. राज्य सरकार में मंत्री मंगल प्रभात लोढा ने शुक्रवार को यह जानकारी दी.

उल्लेखनीय है कि सत्तारूढ़ शिवसेना भारतीय जनता पार्टी और विपक्षी कांग्रेस में सावरकर को लेकर जुबानी जंग चल रही है. कांग्रेस नेता राहुल गांधी (Rahul Gandhi) द्वारा दिवंगत हिंदुत्व विचारक के जेल से बाहर आने के लिए तत्कालीन ब्रिटिश सरकार से मांगी गई 'माफी' को लेकर उनका माखौल उड़ाने के बाद इस वाकयुद्ध में इजाफा हुआ. सत्तारूढ़ शिवसेना और बीजेपी ने राहुल गांधी की टिप्पणी के मुद्दे पर पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे (Uddhav Thackeray) की कथित चुप्पी को आड़े हाथ लेते हुए पिछले सप्ताह राज्य में 'सावरकर गौरव' यात्रा निकालने की घोषणा की थी.

भगूर में होगी थीम पार्क और संग्रहालय की स्थापना

लोढा ने कहा कि सावरकर के जन्म स्थान नासिक के भगूर में थीम पार्क और संग्रहालय की स्थापना की जाएगी. सावरकर का जन्म 28 मई 1883 को नासिक के भगूर गांव में हुआ था. मंत्री ने कहा, ''वीरभूमि परिक्रमा के कार्यक्रम नासिक, रत्नागिरी, सांगली, पुणे और मुंबई जिले में आयोजित किए जाएंगे. इनमें साहित्य महोत्सव, सावरकर पर संगीत और परिचर्चा का कार्यक्रम शामिल होंगे. नासिक को इसलिए चुना गया क्योंकि वह सावरकर का जन्मस्थान है और वहीं पर क्रांतिकारी संगठन 'अभिनव भारत' की स्थापना की गई.'' उन्होंने कहा कि रत्नागिरी को इसलिए चुना गया क्योंकि सावरकर ने वहां पतितपावन मंदिर की स्थापना कर हिंदू एकता की आधारशिला रखी. मंत्री ने कहा कि इस मंदिर में सभी जातियों के लोगों को प्रवेश की अनुमति थी और साथ ही उन्होंने वहां लड़कियों के लिए स्कूल की भी स्थापना की थी.

लोढा ने बताया कि सांगली को इस आयोजन में इसलिए शामिल किया गया क्योंकि सावरकर के बड़े भाई और स्वतंत्रता सेनानी बाबाराव सावरकर का निधन वहां हुआ था.

मंत्री ने बताया, ''वीरभूमि परिक्रमा के तहत पुणे को इसलिए चुना गया क्योंकि सावरकर ने वहां विदेशी सामान के बहिष्कार का आंदोलन शुरू किया था जबकि मुंबई को आयोजन में शामिल करने की वजह यह है कि उन्होंने इस शहर में अपने अंतिम दिन बिताए थे.''

यात्री इस एप की मदद से कर सकेंगे रेल यात्रा में आ रही दिक्कतों की शिकायत, इस तरह होगा निदान

भारतीय रेलवे से देशभर में हर दिन लाखों लोग सफर करते हैं। इस दौरान यात्रियों को कई दिक्कतों का भी सामना करना पड़ता है। यात्रियों की इसी परेशानी को ध्यान में रखते हुए भरतीय रेलवे ने 'रेल मदद' एप तैयार किया है। कोई भी पैसेंजर इस एप के जरिए रेल सफर के दौरान आने वाली सभी दिक्कतों का समाधान पा सकते हैं। इसके ही अपनी शिकायत भी दर्ज कर सकते हैं।

मंत्रालय ने लोगों की सहायता के लिए 24×7 मल्टीपल चैनल ग्राहक सेवा रेल मदद एप को शुरू किया है। इस सर्विस को एप, वेबसाइट, ईमेल, पोस्ट, सोशल मीडिया और एक हेल्पलाइन सर्विस के माध्यम से भी उपयोग किया जा सकता है। आम यात्री एप पर कुछ इस तरह से अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं।

ऐसे दर्ज करवा सकते हैं शिकायत

आप अपनी शिकायत दर्ज करने के लिए स्मार्टफोन के प्ले स्टोर से रेल मदद ऐप डाउनलोड करें। इसके बाद अब इसमें आपको रजिस्ट्रेशन करना होगा। फिर रजिस्ट्रेशन के बाद आप किसी भी ट्रेन या किसी भी रेलवे स्टेशन की शिकायत दर्ज कर सकते हैं। शिकायत करते वक्त आवेदक को अपनी शिकायत, उसका पूरा प्रकरण, समय, टाइमिंग और स्थान सहित जानकारी देनी होगी। अगर किसी शिकायतकर्ता के पास स्मार्टफोन नहीं है या इंटरनेट नहीं चल रहा है, तो आप भारतीय रेलवे के हेल्प लाइन नंबर 139 पर शिकायत कर सकते हैं। इस नंबर पर फोन करके अपनी किसी भी समस्या का समाधान पा सकते हैं। फिर चाहे वह खाने से संबंधित समस्या हो, ट्रेन में साफ सफाई की समस्या हो, मेडिकल इमरजेंसी हो या सिक्योरिटी से संबंधित कोई शिकायत इस पर आसानी से की जा सकती है।

इस एप पर यात्रियों को मिलेगी ये अहम सुविधाएं

भारतीय रेलवे के 'रेलवे मदद' एप के जरिए आप किसी भी ट्रेन या स्टेशन की शिकायत दर्ज कर सकते हैं। इस एप पर आप मेडिकल असिस्टेंस को लेकर, सुरक्षा को लेकर, दिव्यांगजनों की सुविधाओं को लेकर, कोच में सफाई को लेकर, स्टाफ के बर्ताव समेत कई मुद्दों पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। यात्री रेलवे मदद एप पर आप अपनी दर्ज की हुई शिकायत को ट्रैक भी कर सकते हैं। आप देख सकते हैं कि आपकी शिकायत का क्या स्टेटस है। रेल मदद की वेबसाइट के अनुसार, पोर्टल का उद्देश्य शिकायतों के त्वरित समाधान के साथ रेल यात्रियों के अनुभव को बढ़ाना है।

अमृता फडणवीस रिश्वत मामले में बुकी अनिल जयसिंघानी की जमानत अर्जी खारिज

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस को कथित तौर पर ब्लैकमेल करने और उनसे रिश्वत मांगने के मामले में मुंबई की एक सत्र अदालत ने संदिग्ध 'बुकी' अनिल जयसिंघानी की जमानत याचिका शनिवार को खारिज कर दी.

जयसिंघानी को 20 मार्च को किया गया था गिरफ्तार

मुंबई पुलिस ने जयसिंघानी को 20 मार्च को गुजरात से गिरफ्तार किया था. जयसिंघानी ने अदालत से यह कहते हुए जमानत की गुहार लगाई थी कि मामले में सह-आरोपी उसकी बेटी अनीक्षा को जमानत दे दी गई है. यही नहीं, जमानत अर्जी पर बहस के दौरान अनिल जयसिंघानी के वकील ने अपने मुवक्किल की चिकित्सकीय स्थिति का भी हवाला दिया था.

विशेष लोक अभियोजक ने किया था जमानत याचिका का विरोध

विशेष लोक अभियोजक अजय मिसर ने जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा था कि पूरी साजिश अनिल जयसिंघानी के लिए रची गई थी. अमृता फडणवीस ने अपनी शिकायत में दावा किया था कि अनीक्षा ने उसके पिता के खिलाफ दायर मामलों में हस्तक्षेप करने के लिए उन्हें रिश्वत देने की पेशकश की थी.

'याचिकाकर्ता की भूमिका की जांच किए जाने की जरूरत'

विशेष लोक अभियोजक ने कहा कि याचिकाकर्ता की भूमिका की जांच किए जाने की जरूरत है. उन्होंने कहा, "यह नहीं कह सकते कि चूंकि एक आरोपी को जमानत दे दी गई है, उसे भी जमानत पर रिहा किया जाना चाहिए." अभियोजन पक्ष ने दलील दी कि अभियुक्त उसके खिलाफ दर्ज कई अपराधों में फरार है, इसलिए उसकी प्रवृत्ति पर भी विचार करने की जरूरत है. अनिल जयसिंघानी की सेहत पर विशेष लोक अभियोजक ने कहा कि उसकी चिकित्सा जांच की रिपोर्ट बताती है कि उसकी सेहत ठीक है.

अन्य आरोपी निर्मल जयसिंघानी को मिली जमानत

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश डी डी अलमाले ने अनिल जयसिंघानी की जमानत याचिका खारिज कर दी. हालांकि, उन्होंने मामले के एक अन्य आरोपी निर्मल जयसिंघानी की जमानत अर्जी स्वीकार कर ली.

दक्षिण मुंबई के मालाबार हिल पुलिस थाने में 20 फरवरी को अनिल जयसिंघानी और उसकी बेटी अनीक्षा के खिलाफ कथित रूप से कुछ ऑडियो और वीडियो क्लिप सार्वजनिक करने की धमकी देने के लिए प्राथमिकी दर्ज की गई थी. इन ऑडियो और वीडियो क्लिप में अमृता फडणवीस को कथित तौर पर अनीक्षा से रिश्वत की मांग करते हुए देखा-सुना जा सकता है. आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 120बी (आपराधिक साजिश) और 385 (जबरन वसूली) तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 8 (भ्रष्ट तरीकों का उपयोग करके लोक सेवक को उकसाना) और 12 (उकसाना) के तहत मामला दर्ज किया गया है.

कौन हैं असली दोषी?

जयपुर ब्लास्ट केस में हाई कोर्ट ने फैसला सुनाया है। अदालत का ये फैसला कई सवाल खड़े करता है। इस धमाके में 71 लोगों की मौत हुई थी। अदालत ने धमाकों के आरोप में गिरफ्तार चार लोगों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया है। मई 2008 के जयपुर सीरियल ब्लास्ट मामले में राजस्थान हाईकोर्ट का फैसला न केवल चौंकाता है बल्कि कई अहम सवाल भी खड़े करता है। उन भीषण धमाकों में 71 लोगों की मौत हुई थी और 200 लोग घायल हुए थे। इस मामले में गिरफ्तार किए गए पांच लोगों में से चार को विशेष अदालत ने दिसंबर 2019 में फांसी की सजा सुनाई थी, जबकि एक शख्स को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया था। अब हाईकोर्ट ने इन चारों को बरी कर दिया है। उसके मुताबिक, इनके खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य पेश नहीं किए गए। पुलिस को लापरवाही का दोषी पाते हुए हाईकोर्ट ने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच शुरू करने के निर्देश भी दिए हैं। उसकी इस बात से सहमति जताई जा सकती है कि किसी भी मामले में साक्ष्यों की परख कड़ाई से की जानी चाहिए। लेकिन सवाल यह है कि साक्ष्यों की परख का पैमाना क्या हो? हाईकोर्ट ने कहा कि पुलिस ने लापरवाही बरती और ठोस अकाट्य सबूत नहीं जुटाए। लेकिन फांसी की सजा सुनाने वाली विशेष अदालत का कहना था कि ऐसे मामलों में चश्मदीद गवाहों का मिलना मुश्किल होता है। इसलिए परिस्थितियों और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर फैसला दिया जा सकता है। तो सवाल तो उठता है कि ऐसे मामलों में परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर फैसला दिया जाना चाहिए या नहीं? दो भिन्न अदालतों के इतने अलग-अलग फैसले देख कर आम लोगों के मन में भी सवाल उठना लाजिमी है। यह कोई सामान्य बात तो नहीं कि जिन साक्ष्यों को एक अदालत ने फांसी जैसी सजा के लिए काफी माना, उन साक्ष्यों को दूसरी अदालत ने किसी भी सजा के लायक नहीं माना। उसने सबको बरी कर दिया। तो क्या पकड़े गए इन लोगों का सीरियल ब्लास्ट से कोई लेना-देना ही नहीं था? पुलिस ने निर्दोष लोगों को पकड़ लिया था? अगर ऐसा है तो फिर वे कौन लोग थे, जिन्होंने सीरियल ब्लास्ट को सचमुच अंजाम दिया था? क्या वे अब भी खुले घूम रहे हैं? हर हाल में पुलिस तंत्र और न्याय व्यवस्था को कड़े सवालों का सामना करना ही पड़ेगा। गौर करने की बात है कि यह कोई अकेला मामला नहीं है। बम धमाकों और आतंकी हमलों से जुड़े कई मामलों में पकड़े गए लोग ऊपरी अदालतों से छूटते रहे हैं। ऐसे में इस मामले को एक नजीर की तरह लेते हुए यह देखना जरूरी है कि आखिर गड़बड़ी कहां हो रही है? क्या पुलिस दोषियों को पकड़ने में आवश्यक सावधानी नहीं बरत रही या उनके खिलाफ सबूत जुटाने में लापरवाही हो रही है या फिर साक्ष्यों को परखने की प्रक्रिया में ही ऐसी कसौटियां अपनाई जा रही हैं, जो व्यावहारिक नहीं हैं? उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट में इन तमाम पहलुओं पर न सिर्फ बारीकी से विचार होगा बल्कि व्यावहारिक राह भी निकाली जाएगी।

यूक्रेन युद्ध से क्या सीख सकता है भारत, सैटलाइट इंटेलिजेंस डेटा और AI कितना कारगर?

यूक्रेन के शहर बखमुत में रूस और यूक्रेन के बीच चल रही लंबी खूनी लड़ाई ने एक बार फिर इस सच का अहसास कराया है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में युद्ध ही निर्णायक होता है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति युद्ध के साये में ही आकार लेती है। इसीलिए सैन्य शक्ति इसका व्यावहारिक औजार बनी हुई है। भारत के लिए सबक भारत के लिहाज से देखा जाए रूस-यूक्रेन युद्ध के कुछ बड़े सबक हैं: पहला, रूस-यूक्रेन युद्ध के लिहाज से देखा जाए तो बखमुत में हार-जीत किसी भी पक्ष के लिए रणनीतिक तौर पर बहुत ज्यादा मायने नहीं रखती। इसके बावजूद दोनों ही पक्ष करीब सात महीनों से वहां जीतने की कोशिश कर रहे हैं और इसके लिए पूरी ताकत झोंक रखी है। इससे यह भी पता चलता है कि युद्ध में किसी खास इलाके पर कब्जा करना या उसे बनाए रखना कितना अहम होता है।

दूसरा, जमीनी लड़ाई में कौन भारी पड़ सकता है, यह बात महत्वपूर्ण है। भारत को इसे समझना चाहे क्योंकि देश की सुरक्षा के लिहाज से यह बात अहम है। इस पर चाहे जो भी खर्च आए, अपनी जमीन की रक्षा करने वाली मजबूत फौज के रूप में सैन्य शक्ति की कमी किसी भी देश के लिए हार का कारण बन सकती है। आखिर इंसान जमीन पर ही रहते हैं और युद्ध का फैसला भी जमीन पर ही होता है। इसलिए युद्ध में बख्तरबंद गाड़ियों, तोपखाना और उनके साथ तकनीक के जानकार इंजीनियरों की काफी अहमियत है। इसकी भरपाई साइबर, स्पेस और ऐसी दूसरी क्षमताओं से नहीं की जा सकती। साइबर या इलेक्ट्रो-मैग्नेटिक स्पेक्ट्रम जैसी क्षमताएं युद्ध में सहायक भूमिका में होती हैं, लेकिन इन्हें आमने-सामने की लड़ाई का विकल्प नहीं माना जा सकता। तीसरा, रूस-यूक्रेन युद्ध ने दिखाया है कि समुद्री ताकत को सस्ती मिसाइलों के सहारे कितनी आसानी से बेअसर या नष्ट किया जा सकता है। इसीलिए रूसी नौसेना का ब्लैक सी बेड़ा युद्ध में बड़ी भूमिका नहीं निभा पाया है। वह यूक्रेन की मिसाइलों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने को मजबूर है। यह अकारण नहीं है कि चीन ने अमेरिकी और मित्र राष्ट्रों के नौसैनिक बेड़ों को अपनी सीमा से दूर रखने के लिए एंटीशिप बैलिस्टिक मिसाइलों (ASBMs) और एंटीशिप क्रूज मिसाइलों (ASCMs) की पूरी रेंज बना रखी है। यहां भी भारत यूक्रेन और चीन से सीख लेते हुए भू-आधारित बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों की रेंज तैयार कर सकता है। चौथा, रोटरी या फिक्स्ड विंग एयरक्राफ्ट के सहारे दुश्मन के इलाकों में दूर तक घुसकर मार करने की रणनीति इस युद्ध में कारगर नहीं रही है। अगर अपाचे जैसे रोटरी विंग एयरक्राफ्ट का ही उदाहरण लें, जिनका भारत ऐसे मिशन में इस्तेमाल करता है, तो 2003 के दूसरे खाड़ी युद्ध में भी ये इराक की ग्राउंड बेस्ड एयर डिफेंस आर्टिलरी के सामने खास असरदार साबित नहीं हुए थे। ऐसे में चीन या पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय अपाचे की कोई भूमिका अगर हो सकती है तो शायद वह टोह लेने, निगरानी करने या जमीनी टुकड़ियों को मदद देने की ही होगी। रूसी फिक्स्ड विंग और रोटरी विंग एयरक्राफ्टों के खिलाफ यूक्रेनी सेना ने शॉर्ट रेंज एंटी एयरक्राफ्ट वेपंस या तुलनात्मक रूप से छोटे हथियारों से गोलाबारी का प्रभावी इस्तेमाल किया है। दूसरी तरफ यूक्रेनी सेना भी दुश्मन के इलाके में दूर तक मार करने के मामले में खास सफल नहीं रही। उसे हवाई क्षमता का इस्तेमाल जमीन पर लड़ रहीं टुकड़ियों की मदद के लिए करना था। नतीजा यह कि कोई भी पक्ष हवाई लड़ाई में किसी पर भारी नहीं पड़ा। ऐसे में, भारत के लिए भी दूर तक मार करने की क्षमता विकसित करने में ऊर्जा लगाने के बजाय काउंटर अनमैंड एरियल सिस्टम (CUAS) विकसित करना ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। पांचवीं बात ध्यान में रखने की यह है कि हवाई या एंफिबियस मिशन आसानी से दुश्मन की नजरों में आ जाते हैं। यूक्रेन युद्ध से ही नहीं, अतीत के अनुभवों से भी इस बात की पुष्टि होती है। यूक्रेन पर हमले के आरंभिक चरणों में एयरपोर्ट पर कब्जा करने की कोशिशों में रूसी वायु सेना को भारी नुकसान झेलना पड़ा था। इसका मतलब यह नहीं कि ये अतीत की चीज हो गए हैं, लेकिन यह जरूर है कि इनका इस्तेमाल बहुत सोच-समझकर और खास मिशन में ही करने की जरूरत है। AI की भूमिका आखिर में, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) ने इस युद्ध में तो अहम भूमिका निभाई है, आगे भी इसकी यह भूमिका बनी रहने वाली है। यूक्रेनी फौज ने बखमुत में मोर्चे पर लड़ाकू टुकड़ियों के साथ ही सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को भी तैनात किया है। इनकी मदद से यूक्रेन के कमांडर रूसी सेना के ठिकानों का सटीक ढंग से पता लगा पाते हैं, जिससे फौज की मारक क्षमता बढ़ जाती है। यूक्रेन, रूसी फौज के खिलाफ हमलों को ज्यादा प्रभावी बनाने के लिए सैटलाइट इंटेलिजेंस से आए डेटा के साथ ही AI से मिले डेटा का भी इस्तेमाल कर रहा है। AI ने निश्चित रूप से रूसी हमलों के बरक्स यूक्रेनी फौज के टिके रहने की क्षमता बढ़ा दी है। कुल मिलाकर, निष्कर्ष यही है कि भारतीय सेना को बख्तरबंद गाड़ियों, मिसाइलों और तोपखानों की क्षमता बढ़ाने में ही पूरी ऊर्जा लगाने के बजाय उभरती टेक्नॉलजी को अपनाने पर ध्यान देना चाहिए, इनके विकल्प के तौर पर नहीं बल्कि इन्हें ज्यादा सक्षम और ज्यादा कारगर बनाने वाले उपाय के रूप में।

पराग जोबनपुत्रा

क्या खत्म होना चाहिए मानहानि का कानून, देश में क्यों हो रही बहस, जानें क्या कह रहे एक्सपर्ट

पिछले हफ्ते गुजरात की एक अदालत ने IPC की धारा 499 के तहत दर्ज मामले में धारा 500 के तहत राहुल गांधी को अधिकतम दो साल की सजा सुनाई। इस केस में शिकायतकर्ता ने धारा 504 के तहत भी मुकदमा दर्ज कराया था। इस कानून में भी अधिकतम दो साल की सजा का प्रावधान है। इस फैसले के बाद मानहानि कानून एक बार फिर चर्चा में है और इसके कुछ पहलुओं पर सवाल उठ रहे हैं।

आपत्तिजनक बात, भाषण, कार्टून या लेख आदि से मानहानि होने पर पीड़ित व्यक्ति जिला अदालत या हाईकोर्ट में मुआवजे का दावा कर सकता है। इसमें पीड़ित व्यक्ति को यह साबित करना होगा कि सामने वाले व्यक्ति की बातों की वजह से उसकी सार्वजनिक मानहानि हुई है। साबित होने पर अदालतें सजा सुनाती रही हैं, मगर राहुल गांधी के केस में कुछ वजहें हैं जो इसके फैसले की आलोचना हो रही है।

CRPC की धारा 202 के तहत आपराधिक मामलों में मजिस्ट्रेट का क्षेत्राधिकार निर्धारित होता है। राहुल मामले में आपत्तिजनक भाषण कर्नाटक में दिया गया था। सवाल उठ रहे हैं कि यह मामला फिर सूरत की सीजेएम कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में कहां से आ गया? सुप्रीम कोर्ट ने अक्टूबर 2022 में मनोज तिवारी के खिलाफ आपराधिक मानहानि के मामले को खारिज करते हुए कहा था कि धारा 499 के तहत आरोप लगाने के लिए पीड़ित व्यक्ति की स्पष्ट और सीधी मानहानि होनी चाहिए। राहुल के भाषण में नीरव, ललित और नरेंद्र मोदी के नाम थे, इसलिए विधायक पूर्णेश मोदी की मानहानि होने और उनके दायर मुकदमे की वैधता पर भी सवाल हैं।

तेज सुनवाई के लिए देश में 764 फास्ट ट्रैक अदालतों का गठन हुआ है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले तीन सालों में इन अदालतों में मुकदमों की संख्या 10.7 लाख से बढ़कर 15 लाख हो गई है। सुस्त न्यायिक व्यवस्था के दौर में राहुल के मामले में नए सीजेएम ने महीने भर में सुनवाई खत्म करके फैसला और सजा सुना दी। सुप्रीम कोर्ट ने 1965 के कुलतार सिंह मामले में कहा था कि राजनीतिक बयानबाजी के मामलों को अपराध के दायरे में लाने से बचना चाहिए। 168 पेज के गुजराती में दिए फैसले में सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसले का जिक्र तो है, लेकिन शीर्ष अदालत की कही गई बात का सम्मान नहीं।

राहुल के खिलाफ आपराधिक मानहानि के 10 और मामले चल रहे हैं, लेकिन किसी और में उन्हें अभी तक सजा नहीं हुई। इसलिए पहले अपराध में अधिकतम दो साल की सजा दिए जाने पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। कहा जा रहा है कि आर्टिकल 19 (1)(a) के तहत अभिव्यक्ति और बोलने के जो हमारे मूलभूत अधिकार हैं, मानहानि का कानून उस पर प्रहार करता है। इसी आधार पर सुप्रीम कोर्ट में इसके खिलाफ काफी कुछ हो चुका है

सुप्रीम कोर्ट के लिली थॉमस मामले में 2013 के फैसले के मुताबिक 2 साल से ज्यादा सजा होने पर संसद सदस्यता अपने आप रद्द हो जाती है। सुप्रीम कोर्ट में PIL दायर करके मांग की गई है कि आपराधिक मानहानि से जुड़ी सजा के मामलों में संसद सदस्यता रद्द करने के कानून पर पुनर्विचार हो। अभिव्यक्ति की आजादी के आधार पर सुप्रीम कोर्ट में 2015 में आपराधिक मानहानि के कानून के खिलाफ 25 याचिकाएं दायर की गईं। इनमें राहुल गांधी के साथ दूसरे दलों के डॉ. सुब्रमण्यन स्वामी और अरविंद केजरीवाल जैसे नेता भी शामिल।

2016 में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी पर अनुच्छेद 19 (2) के तहत अनेक युक्तिसंगत प्रतिबंध हैं। अदालत के मुताबिक अनुच्छेद 21 के तहत हर व्यक्ति को सम्मान बनाए रखने का मौलिक अधिकार है। इसलिए कोर्ट ने IPC की धारा 499 और 500 को तर्कसंगत बताते हुए आपराधिक मानहानि के कानून पर मुहर लगा दी। आलोचकों का कहना है कि ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे देशों ने इस कानून को रद्द कर दिया है।

भूपत सांवलिया

पश्चिम पहले संघ को समझे, फिर करे आलोचना

किरीट ए. चावड़ा

अमेरिका के जाने-माने शिक्षाविद और वॉल स्ट्रीट जर्नल के स्तंभकार वॉल्टर रसेल मीड ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और बीजेपी के बारे में जो लिखा है, उस पर पूरी दुनिया में बहस चल रही है। मीड ने लिखा है कि वर्ष 2014 और 2019 के आम चुनावों में लगातार भारी जीत के बाद अब बीजेपी 2024 में भी सफलता की ओर बढ़ रही है। इसे सुर्खियां बनना ही था। किंतु उनके लेख का मुख्य बिंदु 2024 का चुनावी आकलन नहीं है। संघ और बीजेपी की पृष्ठभूमि, विचारधारा और उसके चरित्र के बारे में जो कुछ उन्होंने लिखा, वह सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। क्या हैं तीन स्थापनाएं उनकी तीन बातें विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। पहली, बीजेपी ऐसे अनोखे राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास की बुनियाद पर खड़ी है, जिसे भारतीय मूल्य और संस्कृति से परिचित लोग ही समझ सकते हैं। दूसरी, बीजेपी विश्व की सबसे महत्वपूर्ण विदेशी राजनीतिक पार्टी है, लेकिन इसे संभवत: सबसे कम समझा गया है। तीसरी, बीजेपी की बुनियाद क्या है? उनके लेख का मूल स्वर यह है कि बीजेपी को समझने के लिए संघ को भी समझना होगा। संघ के बारे में उनका कहना है कि एक समय में हाशिए पर पड़ी विचारधारा के आधार पर सांस्कृतिक पुनर्जागरण का आंदोलन चलाने वाला यह दुनिया का सबसे मजबूत नागरिक संगठन है। ध्यान रहे, दुनिया भर में चर्चा का विषय बना मीड का यह आलेख राहुल गांधी द्वारा लंदन में संघ को मुस्लिम ब्रदरहुड के समतुल्य बताने के बयान के तुरंत बाद आया है। हालांकि विरोधी इससे खुश हो सकते हैं कि बीजेपी की व्याख्या करते हुए मीड ने भी मुस्लिम ब्रदरहुड का नाम लिया है। लेकिन उनका संदर्भ अलग है। मीड कहते हैं कि बीजेपी दुनिया की जिन तीन महत्वपूर्ण राजनीतिक पार्टियों के सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांतों को साथ लाती है, वे हैं- इस्राइल की लिकुड पार्टी, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी और इजिप्ट की मुस्लिम ब्रदरहुड। मुस्लिम ब्रदरहुड की तरह बीजेपी पश्चिमी उदारवाद के कई विचारों को खारिज करती है, लेकिन आधुनिकता की प्रमुख विशेषताओं को अपनाती है। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की तरह बीजेपी एक अरब से अधिक लोगों वाले राष्ट्र की अगुआई करती है ताकि वह वैश्विक महाशक्ति बन सके। इस्राइल की लिकुड पार्टी की तरह बीजेपी परंपरागत मूल्यों के साथ बाजारोन्मुख अर्थव्यवस्था को अपनाती है।

जाहिर है, इसे केवल अमेरिका और वॉल स्ट्रीट के प्रसार क्षेत्रों के पाठकों को समझाने की दृष्टि से दिया गया उदाहरण मानना चाहिए। दुनिया में संघ और बीजेपी की तरह दूसरा कोई संगठन नहीं है, जिससे उनकी तुलना की जाए। जो उदाहरण उनके समक्ष है, उसे उन्होंने प्रस्तुत कर दिया। इसमें भी वह बीजेपी को इन सबसे अलग बताते हैं। इस तरह वह संघ को विश्व का अनोखा संगठन और उससे निकली बीजेपी को सभी उपलब्ध पार्टियों से अलग साबित कर देते हैं: मीड लिखते हैं कि अमेरिकी विश्लेषक, खासकर वामपंथी उदारवादी अक्सर नरेंद्र मोदी के भारत को देखकर पूछते हैं कि यह डेनमार्क जैसा क्यों नहीं है? वे यह नहीं समझते कि भारत एक जटिल जगह है। पूर्वोत्तर के ईसाई बहुल राज्यों में भी बीजेपी ने उल्लेखनीय राजनीतिक सफलता प्राप्त की है। दिलचस्प है कि एक अमेरिकी होते हुए भी उन्होंने इस सचाई को रेखांकित किया है कि RSS के यहां तक पहुंचने के पीछे हजारों स्वयंसेवकों की कई पीढ़ियां खपी हैं। जब हमारे ही देश के लोग हिंदू धर्म, हिंदुत्व और राष्ट्र आदि की सही समझ नहीं रखते तो इसे आश्चर्य ही कहा जाएगा कि पश्चिम का एक व्यक्ति हिंदुत्व, हिंदू धर्म आदि को बिल्कुल सही संदर्भों में समझ ले। जहां तक पीढ़ियों के खपने की बात है तो 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा स्थापना के बाद गिनती करना मुश्किल है कि कितनी संख्या में प्रचारकों ने पूरा जीवन संघ और उससे निकले संगठनों के विस्तार की कोशिशों में लगा दिया। इस तरह का चरित्र विश्व के किसी संगठन में नहीं है। विद्वेष, घृणा, उग्रता जैसी विचारधारा वाले संगठन को इस तरह जीवन देने वाले कार्यकर्ताओं की फौज नहीं मिल सकती।आलोचक कह सकते हैं कि मीड ने अमेरिका के रणनीतिक भविष्य की दृष्टि से बीजेपी और संघ का विश्लेषण किया है। उन्होंने कहा है कि अमेरिकी लोग बीजेपी और संघ के साथ जुड़ने के निमंत्रण को खारिज करने की स्थिति में नहीं हैं क्योंकि चीन के साथ तनाव बढ़ रहा है और अमेरिका को आर्थिक राजनीतिक साझेदार के रूप में भारत की जरूरत है। उनके विश्लेषण को यहीं तक सीमित रखकर देखने का मतलब होगा सच को पूरी तरह नकारना। अमेरिका, यूरोप और अन्य देशों के पत्रकार-लेखक संघ और बीजेपी के बारे में अक्सर अपने दृष्टिकोण से ही समझते और लिखते-बोलते रहे हैं। नेशन स्टेट, नेशनलिज्म, रिलीजन, रिलीजियस या थियोक्रेटिक स्टेट, कल्चर, स्वदेशी आदि का उनका ज्ञान हमेशा उन पर हावी रहता है। इसलिए राष्ट्र राज्य, हिंदू राष्ट्र, राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, हिंदुत्व आदि को हमेशा उग्र सांप्रदायिक, मजहबी और संकीर्ण राष्ट्रीयता के रूप में व्याख्यायित किया गया है। हकीकत यह है कि भारतीय संदर्भ में इन शब्दों के मायने बिल्कुल अलग हैं। यह समझने की कोशिश जिन कुछ पश्चिमी विद्वानों ने की, उन्हें अपनी ही दुनिया में मान्यता नहीं मिली। पूर्वाग्रह से परे बहरहाल, तात्पर्य यह नहीं कि वॉल्टर रसेल मीड ने संपूर्ण रूप से भारत तथा संघ और बीजेपी के दृष्टिकोण के अनुरूप विचार किया है। किंतु उन्होंने संघ और बीजेपी के लोगों से मिलने तथा उनके साहित्य का अध्ययन करने के बाद काफी हद तक पूर्वाग्रह से हटकर और सही संदर्भों में इन संगठनों को देखने की कोशिश की है।

सीएम ने अधिकारियों को जारी किया आदेश

जनता से मिलने को समय निकालने का फरमान

मुंबई: खुद को जनता का मुख्यमंत्री कहने वाले एकनाथ शिंदे के राज में आए दिन मंत्रालय के सामने मुंबई और दूर-दराज से आए आम लोगों द्वारा आत्महत्या की कोशिश किए जाने की घटनाएं हो रही हैं। इन घटनाओं की वजह से मुख्यमंत्री शिंदे ने महाराष्ट्र के अधिकारियों और मंत्रियों को आदेश दिया है कि वे आम आदमी से मिलने के लिए समय और दिन मुर्करर करें, ताकि कोई मंत्रालय आकर आत्महत्या का प्रयास न करे। हालांकि ऐसा आदेश पहले से ही है, पर उसका पालन न तो मंत्री करते हैं और न ही अधिकारी करते हैं। आम आदमी के मिलने के लिए उनके पास समय ही नहीं है। ऐसे में अब सरकार ने एक बार फिर नए सिरे से नया फरमान जारी किया है। शिंदे सरकार खुद को आम जनता की सरकार कहती है, लेकिन पिछले ही सोमवार को मंत्रालय में दो महिलाओं ने सबके सामने जहर पी लिया। इनमें से एक की मौत हो गई, जबकि दूसरी की हालत चिंताजनक है। इससे पहले भी इस तरह की घटनाएं मंत्रालय और विधानभवन के सामने होती रही हैं। ऐसा क्यों होता है, इस पर चिंतन-मनन करने के लिए मंत्री या अधिकारी के पास समय ही नहीं है। आम लोगों के लिए फुरसत ही नहीं लोकल लेवल पर न्याय न मिलने पर लोग न्याय की उम्मीद लेकर मंत्रियों और उच्चाधिकारियों से मिलने, उन्हें अपनी व्यथा सुनाने मंत्रालय आते हैं। लेकिन हकीकत में ऐसा होता नहीं है। मंत्रालय के एसी कमरे में बैठे मंत्रियों और अधिकारियों के पास आम आदमी से मिलने के लिए समय ही नहीं है। वे बड़े नसीब वाले होते हैं, जिनकी मंत्रालय में कोई सुन लेता है। बार-बार चक्कर लगाने के बाद अक्सर लोगों को निराशा ही हाथ लगती है। फिर वे आत्महत्या जैसा कदम उठाते हैं। जमीन विवाद को लेकर धुलिया जिले से आए एक व्यक्ति ने कहा कि गांव में सरकार की खूब वाहवाही होती है, लेकिन मंत्रालय आने के बाद पता चलता है कि तथ्य क्या है? यहां पर किसी की सुनवाई नहीं होती। हम जैसे लोगों से मिलने के लिए अधिकारी के पास समय नहीं है और मंत्री है कि उसका अता-पता नहीं है। मंत्रालय के चक्कर काट कर तंग हो गए हैं। पुराने आदेश का नया फरमान अब मुख्यमंत्री शिंदे ने फिर से पुराने आदेश पर नया फरमान जारी किया है। इसमें कहा गया है कि अधिकारी 3 बजे से 4 बजे के बीच कोई मीटिंग वगैरह नहीं करें। यह समय सिर्फ आम आदमी से मिलने के लिए निश्चित रखें। इससे संबंधित नोटिस बोर्ड अपने कार्यालय के सामने लगाएं कि वे कितने बजे मिलने वाले हैं। इसी तरह मंत्री भी निश्चित करें कि वे सप्ताह में कितने दिन और कितने बजे आम आदमी से मिलने वाले हैं। आम आदमी के लिए तय किए गए समय के दौरान कोई अन्य मीटिंग या अन्य कार्यक्रम नियोजित न किए जाएं। जनता से मिलने के समय मंत्री और अफसर कार्यालय में मौजूद रहें। नए फरमान में कहा गया है कि जोनल स्तर पर प्रत्येक सरकारी कार्यालय के अधिकारी सप्ताह में कम से कम दो दिन निर्धारित करें और जनता से मिलने के लिए एक निश्चित समय आरक्षित करें। ऐसा ही आदेश स्थानीय नगर निगमों, नगर परिषदों, नगर पंचायतों और नागरिक स्थानीय निकायों को जारी किया गया है। दो महिलाओं ने पिया जहर गाडेकर धुले एमआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र में जमीन के एक भूखंड के विवाद के सिलसिले में मंत्रालय आई थी। नवी मुंबई की रहने वाली संगीता दावरे भी एक अलग मामले में न्याय मांगने के लिए मंत्रालय गई थी। दोनों सोमवार को एक ही कैब से मंत्रालय पहुंचे। दोनों एक ही ऐक्टिविस्ट के संपर्क में थीं। जब दोनों को जहर पीते देखा गया, तो मंत्रालय के गेट पर तैनात पुलिस वालों ने उन्हें रोकने की कोशिश की। दोनों को तुरंत जेजे अस्पताल ले जाया गया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि गाडेकर की इलाज के दौरान मंगलवार को मौत हो गई, जबकि दावरे की हालत गंभीर है। गाडेकर का आरोप था कि उनके पति के स्वामित्व वाले एक भूखंड को 2010 में फर्जी और जाली दस्तावेजों की मदद से महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम के अधिकारियों द्वारा किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर स्थानांतरित कर दिया गया था। तब से वह विभिन्न स्तरों पर इसकी शिकायत कर रही थी। हाल ही में उसने न्याय नहीं मिलने पर आत्महत्या करने की चेतावनी भी दी थी। दावरे के मामले में, उसके पति, एक पुलिस कांस्टेबल, ने एक सर्जरी के दौरान अपना पैर खो दिया था, और वह डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रही थी। दोनों महिलाएं जिस ऐक्टिविस्ट के संपर्क में थीं, पुलिस अब उसकी भूमिका की जांच कर रही है।

औरंगाबाद में हिंसा, हुई नहीं करवाई गई

उद्धव ठाकरे का BJP पर बड़ा आरोप

औरंगाबाद: शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेताओं ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (BJP) और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) पर महाराष्ट्र के औरंगाबाद में हिंसा करने का आरोप लगाया। शिवसेना (UTB) ने आरोप लगाया कि हिंसा का उद्देश्य शहर में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) की आगामी रैली को बाधित करना था। पुलिस ने बताया कि बुधवार रात युवकों के बीच झड़प के बाद 500 से ज्यादा लोगों की भीड़ ने कथित तौर पर पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया था, यह घटना औरंगाबाद के किराडपुरा इलाके में हुई, जहां एक प्रसिद्ध राम मंदिर है। उन्होंने बताया कि घटना रामनवमी समारोह की पूर्व संध्या पर हुई। महाराष्ट्र के विपक्षी दल शिवसेना (UTB), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) और कांग्रेस गठबंधन रविवार को औरंगाबाद शहर में एक रैली का आयोजन करने वाली है। बीजेपी और एआईएमआईएम पर निशाना साधते हुए शिवसेना (यूबीटी) के नेता चंद्रकांत खैरे ने दावा किया कि इम्तियाज जलील (एआईएमआईएम के), (उपमुख्यमंत्री) देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री भागवत कराड (जो औरंगाबाद से हैं) तीनों दोस्त हैं और यह उनकी ही योजना है। उन्होंने कहा कि हिंसा का मकसद दो अप्रैल को होने वाली हमारी (MVA) की रैली में रुकावट पैदा करना है, लोग यह भी कह रहे हैं कि एआईएमआईएम बीजेपी की 'बी' टीम है। उन्होंने किराडपुरा में राम मंदिर का दौरा और अनुष्ठान किया। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने आरोप लगाया कि जानबूझकर तनाव पैदा किया जा रहा है और गृह मंत्री (फडणवीस) को अपराधी का पता होना चाहिए। 2 अप्रैल को तय कार्यक्रम में होगी MVA की रैली संजय राउत ने जोर देकर कहा कि दो अप्रैल को एमवीए की रैली तय कार्यक्रम के अनुसार होगी। यह एक बड़ी सफलता होगी और इसके लिए तैयारी चल रही है।

सुरक्षाबलों की कार्रवाई में कई आईएस आतंकी ढेर

मजार-ए-शरीफ। अफगानिस्तान के बल्ख प्रांत में सुरक्षाबलों की कार्रवाई में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के कई आतंकी मारे गए हैं। काउंटर-इंटेलिजेंस एजेंसी के सोमवार को यह जानकारी दी। बयान में कहा गया है कि सुरक्षाबलों ने मजार-ए-शरीफ शहर में पुलिस जिले 5, 8 और 10 में आईएस समूह के ठिकानों पर हमला किया, जिसमें कई आतंकी मारे गए। वहीं काबुल, फरयाब और बल्ख प्रांतों में आतंकी हमलों की योजना बनाने और हफ्तों पहले बल्ख के गवर्नर की हत्या करने में शामिल आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया है। अफगान बलों द्वारा पिछले हफ्तों में राष्ट्रीय राजधानी काबुल और उत्तरी मजार-ए-शरीफ शहर में आईएस के ठिकानों के खिलाफ शुरू किया गया चौथा अभियान है, जिसमें आईएस से जुड़े कई आतंकी मारे गए हैं।

तेजस्वी पिता बने जश्न का माहौल

पटना। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव सोमवार को पिता बने और उनके घर एक बेटी का जन्म हुआ। यह खबर मिलने पर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) में जश्न का माहौल है। पिछले सप्ताहांत में सीबीआई की पूछताछ के बाद तेजस्वी दिल्ली में अपनी पत्नी राजश्री के पास ही ठहर गये थे। राजद नेता तेजस्वी ने ट्वीट कर पिता बनने की जानकारी दी और बिटिया को गोद में लिए हुए एक तस्वीर भी साझा की। तेजस्वी के बड़े भाई तेज प्रताप यादव ने प्रसन्नता व्यक्त की और यहां विधानसभा परिसर में मिठाई बांटी। तेजप्रताप ने सभी से कहा कि अब वह 'बड़े पापा' बन गए हैं।

लालू को नोटिस भेजने से कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने झारखंड के डोरंडा राजकोष मामले में राजद के प्रमुख लालू प्रसाद यादव की जमानत को चुनौती देने वाली सीबीआई की याचिका सोमवार को लंबित मामले से जोड़ दी। इस मामले में यादव को पांच वर्ष के कारावास की सजा सुनाई गई थी। न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी और न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी की पीठ ने कहा कि वह नोटिस जारी नहीं कर रही है बल्कि, सीबीआई की ओर से दायर ऐसे ही लंबित मामले से इसे जोड़ रही है। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस. वी. राजू और अधिवक्ता रजत नायर ने मामले में नोटिस जारी करने का अनुरोध किया, लेकिन पीठ ने कहा कि वह एक साथ मामले की सुनवाई करेगी और नोटिस जारी करने की इच्छुक नहीं है।

बेमौसम बरसात से बर्बाद किसान!

पालघर, बेमौसम बारिश से पालघर जिले के किसान बर्बाद हो गए हैं। जिले में १८,८६९ किसानों की फसल बेमौसम बारिश से नष्ट हो गई, उनका करोड़ों का नुकसान हो गया है। ऐसे में किसानों ने मुआवजे की मांग की है। हालांकि, राज्य सरकार ने मुआवजे का अभी तक एलान नहीं किया है, किसान मुआवजे की राह देख रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक, पालघर जिले में १ से १९ मार्च के बीच बहुत अधिक बारिश हुई। इससे खेत में खड़ी फसल खराब हो गई है। बताया जा रहा है कि इसके कारण ३५०२.८३ हेक्टेयर भूमि पर लगी फसल नष्ट हो गई। इससे किसानों को करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है। खास बात यह है कि सबसे अधिक ३३ प्रतिशत बागवानी उपज खराब हुई है। ऐसे में जिला कृषि विभाग ने सरकार से ७,८७,३६,१२५ रुपए की आर्थिक सहायता की मांग की है।

ठाणे शहर में 1 अप्रैल से ट्रैफिक में बदलाव

ठाणे: मुंब्रा-ठाणे बाईपास मार्ग पर रेती बंदर परिसर और कलवा साकेत परिसर में रास्ते की मरम्मत की जानी है। इसके चलते, 1 अप्रैल 2023 से मुंब्रा बाईपास रोड बंद रहेगा और उस रास्ते से आने-जाने पर पाबंदी रहेगी। मुंब्रा बाईपास रेती बंदर के पास बाईपास रोड पर रेलवे फ्लाइओवर की मरम्मत और ब्रिज स्लैब पर हाई स्ट्रैंथ कॉन्क्रीट बिछाया जाना है।

खारेगांव-साकेत पुल पर मैस्टिक विधि से डामरीकरण किया जाएगा और क्षतिग्रस्त विस्तार जोड़ों की मरम्मत की जाएगी। इस दौरान, दक्षिण भारत से पुणे-तलोजा होते हुए कल्याण फाटा और शिलफाटा मुंब्रा बाईपास, जेएनपीटी, कलंबोली से भिवंडी, नासिक, गुजरात और उत्तर भारत आने जाने वाला यातायात बाधित होगा। इस रूट से निकल सकेगा ट्रैफिक नवी मुंबई के जेएनपीटी/कलंबोली, उरण होते महापे सर्कल से शिलफाटा होते हुए गुजरात भिवंडी जाने वाले सभी प्रकार के वाहनों को शिलफाटा से पूरी तरह प्रतिबंधित किया गया है। इसके चलते, 1 अप्रैल से यातायात में बदलाव किया गया है। फायर ब्रिगेड, पुलिस, ऐम्बुलेंस और आवश्यक सेवाओं के हल्के चार पहिया वाहन पुराने पुणे-मुंबई मार्ग राष्ट्रीय राजमार्ग-4 का उपयोग करेंगे। यह यातायात नियंत्रण अधिसूचना 1 अप्रैल 2023 से कार्य पूर्ण होने तक प्रभावी रहेगी। ठाणे शहर पुलिस आयुक्त जयजीत सिंह ने यह जानकारी दी है। वैकल्पिक मार्ग - कलंबोली-शिलफाटा से रबाले एमआईडीसी-रबाले नाका-ऐरोली पटनी सर्कल-मुलुंड ऐरोली ब्रिज-ऐरोली टोल रोड-ईस्टर्न एक्सप्रेस वे-मुलुंड आनंद नगर से माजीवाडा-घोडबंदर रोड गायमुख से आगे गुजरात की ओर जा सकते हैं। - माजीवाडा-कापुरबावडी सर्कल से कशेली-काल्हेर-अंजुर चौक होते भिवंडी जा सकेंगे। - साकेत पुल और कलवा खारेगाव खाड़ी पुल का काम शुरू होने तक भिवंडी शहर की ओर आने वाले वाहनों को माजीवाडा-साकेत पुल-खारेगांव मानकोली से दोपहर 12 से 4 तथा रात 10 से सुबह 5 बजे तक भिवंडी गोदाम क्षेत्र में जाने की अनुमति होगी।

- नासिक की तरफ जाने वाले वाहन जेएनपीटी से डी पॉइंट-पलास्पे फाटा-कोनब्रिज-से मुंबई पुणे एक्सप्रेसवे से खालापुर टोल रोड से आगे जा सकेंगे। - नासिक से जेएनपीटी, नवी मुंबई जाने वाले भारी वाहनों का शहापुर में प्रवेश बंद किया गया है। ये वाहन आगे राष्ट्रीय राजमार्ग-3 से मुरबाड-कर्जत चौक होते हुए जेएनपीटी नवी मुंबई की ओर जा सकेंगे। - गुजरात से आने वाले वाहनों का प्रवेश बंद: राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 8 अहमदाबाद, गुजरात से जेएनपीटी मुंब्रा बाईपास नवी मुंबई, नासिक और पुणे के रास्ते दक्षिण भारत जाने वाले भारी वाहनों के लिए प्रतिबंधित है। - गुजरात और दक्षिण भारत की तरफ से आने जाने वाले वाहन मनोर टेन नाका-पोशेरी-पाली-वाडा नाका-शिरीष पाडा-अबिट घर-पीवली-केल्हे-दहागांव- वाशिंद से नासिक और भिवंडी जा सकेंगे। - भिवंडी से ठाणे आनंद नगर, जेएनपीटी-नवी मुंबई जाने वाले वाहनों को दोपहर 12 से 4 बजे और रात 10 बजे से सुबह 5 तक प्रवेश की अनुमति होगी। - चिंचोटी-अंजुर फाटा, भिवंडी के रास्ते जेएनपीटी, नवी मुंबई जाने के लिए रात 10 से सुबह 5 तक एंट्री रहेगी। - राष्ट्रीय राजमार्ग-8 (अहमदाबाद, गुजरात) से जेएनपीटी, पुणे से दक्षिण भारत जाने वाले वाहनों को मजीवाडा-आनंदनगर-ऐरोली-नवी मुंबई वाया घोडबंदर मार्ग पर रात 10 से सुबह 5 तक एंट्री रहेगी।

संभाजीनगर दंगे का मास्टरमाइंड का कौन? ठाकरे गुट के नेता ने फडणवीस को बताया; गृहमंत्री ने दिया जवाब

मुंबई: कल रात छ.संभाजीनगर के किराडपुरा इलाके में दो समुदायों के बीच झड़प हुई थी. मारपीट, पत्थरबाजियों के साथ पुलिस के वाहन समेत कई निजी वाहन जला दिए गए. हिंसा में चार लोग घायल हुए. पुलिस ने 45 लोगों को अब तक गिरफ्तार किया है. फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हालात कंट्रोल में होने की जानकारी देते हुए लोगों से शांति बनाए रखने का आह्वान किया है. लेकिन इस हिंसा को लेकर राजनीतिक बयानबाजियां भी तेज हो गई हैं. ठाकरे गुट के विधायक चंद्रकांत खैरे और अंबादास दानवे ने दंगे का मास्टरमाइंड देवेंद्र फडणवीस को बताया है. विधानपरिषद में नेता प्रतिपक्ष अंबादास दानवे ने कहा कि छ. संभाजी नगर का दंगा बीजेपी-शिंदे सरकार और एमआईएम की मिलीभगत का नतीजा है. चंद्रकांत खैरे ने कहा कि इस हिंसा के मास्टरमाइंड राज्य के उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस हैं. यह एक पूर्वनियोजित साजिश थी. 2 अप्रैल को महाविकास आघाड़ी की संभाजी नगर में सभा होने वाली है. यह रैली ना हो पाए, इसलिए बीजेपी ने यह साजिश रची. 'ऐसे हालात में नेताओं को समझने की जरूरत कि व्यवहार कैसा हो' देवेंद्र फडणवीस ने जवाब में कहा कि संभाजी नगर की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है. वहां शांति कायम करने की कोशिशें शुरू हैं. लेकिन कुछ लोगों की यह कोशिश है कि भड़काने वाले बयान देकर हालात को बदतर किया जाए. ऐसे हालात में नेताओं को कैसा व्यवहार करना चाहिए, यह समझे जाने की जरूरत है. अगर कोई गलत बयानी कर रहा है तो, वो ऐसा ना करे. सभी लोग शांति कायम रखने में मदद करें. अपने शहर को शांत और सुव्यवस्थित रखने की जिम्मेदारी सभी नेताओं की है. संभाजी नगर की घटना को राजनीतिक रंग देने की कोशिश दुर्भाग्यपूर्ण आगे राज्य के गृहमंत्री ने कहा कि मुझे ऐसा लगता है कि अगर कोई इस घटना को राजनीतिक रंग देने की कोशिश कर रहा है, तो इससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण और कुछ नहीं है. ऐसे बयान इस बात की ओर इशारा करते हैं कि बोलने वाले की बुद्धि कितनी राजनीति से प्रेरित और छोटी सोच की है. अपने स्वार्थ को पूरा करने के लिए जो लोग ऐसा कर रहे हैं, वे इसे तुरंत बंद कर दें. राज्य की शांति-व्यवस्था कायम रखने की जिम्मेदारी सभी नेताओं की है.

पैर पसार रहा है कोरोना एअर पोर्ट पर शुरू है जाँच

राज्य में 694 मुंबई में मिले 192 नए मरीज

मुंबई। कोरोनाधीरे धीरे अपना पैर पसारना शुरू कर दिया है। मुंबई समेत राज्य में कोरोना संक्रमित (corona infected) मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। गुरुवार को राज्य में 694 और मुंबई में 192 नए संक्रमित मरीज पाए गए। राहत की बात यह है कि मुंबई सहित राज्य में कोरोना से संक्रमित किसी मरीज की मौत नहीं हुई है। बता दे कोरोना का संकट एक बार फिर गहराता जा रहा है और मरीजों की बढ़ती संख्या ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है. मुंबई समेत राज्य में अब मरीजों की संख्या तीन अंकों में पहुंच गई है. गुरुवार को राज्य में कुल 694 नए मरीज पाए गए। इस तरह कोरोना से संक्रमित कुल मरीजों की संख्या 81 लाख 43 हजार 686 पर पहुंच गई. प्रदेश में इस समय 3 हजार 16 मरीज एक्टिव हैं। मुंबई में भी कोरोना तेजी से पांव पसार रहा है गुरुवार के दिन मुंबई में 192 नए मरीज पाए गए। मुंबई में कुल मरीजों की संख्या 11 लाख 56 हजार 916 हो गई है. मुंबई में फिलहाल 846 एक्टिव मरीज हैं। पिछले चौबीस घंटे के भीतर किसी कोरोना संक्रमित मरीज की मौत नहीं होने से राहत की सांस ली गई

अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की स्क्रीनिंग!

कोविड-19 को लेकर वर्तमान अन्तर्राष्ट्रीय स्थिति को देखते हुए भारत सरकार के निर्देशानुसार दिनांक 24 दिसम्बर 2022 से राज्य के मुम्बई, पुणे एवं नागपुर अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों पर विदेश से आने वाले यात्रियों का टेस्ट किया जा रहा है। इसमें सभी यात्रियों की थर्मल स्क्रीनिंग की जा रही है और 2 प्रतिशत यात्रियों के कोविड के सैंपल लिए जा रहे हैं. कोविड से संक्रमित हर सैंपल को जेनेटिक सीक्वेंसिंग के लिए भेजा जा रहा है. अब तक 43 यात्री प्रभावित हुए मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर अब तक 16 लाख 33 हजार 133 यात्री आ चुके हैं और 35 हजार 947 यात्रियों की RTPCR जांच की गई है और 43 यात्री संक्रमित पाए गए हैं.

पिछले वैरिएंट्स से कितने अलग हैं लक्षण? बूस्टर डोज वालों में कैसा होता है संक्रमण का असर

राज के.वेगड़

देश में कोरोना संक्रमण के मामलों में पिछले कुछ दिनों से तेज उछाल देखा जा रहा है। संक्रमण के दैनिक मामले छह माह का रिकॉर्ड तोड़ते हुए एक दिन तीन हजार से अधिक रिपोर्ट किए गए। पिछले 24 घंटे में 3095 लोगों में संक्रमण की पुष्टि की गई है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि देश में ज्यादातर कोरोना के मामलों के लिए ओमिक्रॉन के सब-वैरिएंट XBB.1.16 ही प्रमुख कारण है। इसकी संक्रामकता दर कोरोना के अन्य वैरिएंट्स की तुलना में अधिक है, हालांकि संक्रमितों में गंभीर रोग के मामले कम देखे जा रहे हैं। जिस तरह से पिछले 15 दिनों में कोरोना की रफ्तार है उसने लोगों के मन में डर बढ़ा दिया है। क्या कोरोना का यह वैरिएंट एक नई लहर की तरफ संकेत है? पिछले वैरिएंट्स की तुलना में इसके लक्षण कितने अलग हैं और वैक्सीनेटेड लोगों पर इसका किस प्रकार का असर हो रहा? आइए इस बारे में आगे समझते हैं। वैक्सीनेटेड लोगों में भी संक्रमण का खतरा XBB.1.16 सब-वैरिएंट को पहली बार इस साल फरवरी में पुणे में पाया गया था। प्रारंभिक शोध में पाया गया है कि इस वैरिएंट में कुछ ऐसे म्यूटेशन हैं जो न सिर्फ इसकी संक्रामकता दर को बढ़ाते हैं साथ ही इसे प्रतिरक्षा प्रणाली को चकमा देकर आसानी से लोगों को संक्रमित करने के भी योग्य बनाते हैं। वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ रहे एक्सबीबी वैरिएंट्स के अलग-अलग रूपों को ओमिक्रॉन के दो सब-वैरिएंट्स का

एक संकर रूप माना जा रहा है। सभी ओमिक्रॉन सब-वैरिएंट में पूर्व के संक्रमण और टीकाकरण से बनी प्रतिरक्षा को चकमा देने की क्षमता देखी जा रही है। बूस्टर डोज वाले भी हो सकते हैं संक्रमित वैक्सीनेटेड लोगों में कोरोना के नए वैरिएंट्स का क्या असर हो रहा है इसे समझने के लिए विशेषज्ञों की टीम ने अध्ययन किया। XBB.1.16 से संक्रमित 42 कोविड रोगियों का विश्लेषण करने पर पाया गया कि इनमें से 11 लोगों को वैक्सीन की तीसरी डोज लग चुकी थी। विशेषज्ञों ने पाया कि ओमिक्रॉन के वैरिएंट्स बूस्टर डोज से भी बनी प्रतिरक्षा को चकमा दे सकते हैं, हालांकि ऐसे लोगों में गंभीर रोग विकसित होने का खतरा कम होता है। रोगियों में लक्षण भी पिछले वैरिएंट्स के संक्रमण की ही तरह देखे जा रहे हैं। संक्रमण के लक्षण कितने अलग? स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि अध्ययन में ऐसे संकेत नहीं मिले हैं कि XBB.1.16 गंभीर बीमारी का कारण बनता है।

42 प्रतिभागियों में से 39 मरीजों में स्पष्ट लक्षण देखे गए थे। तीन में एसिम्टोमैटिक लक्षण थे। 39 में से 27 मरीज घर पर ही ठीक हो गए, जबकि 12 को अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत पड़ी। डॉक्टर्स बताते हैं, पिछले वैरिएंट्स से इसके लक्षण अलग नहीं हैं। इस वैरिएंट के कारण भी रोगियों में तेज बुखार, खांसी, गले में खराश, शरीर में दर्द, सिरदर्द, ठंड लगने और पेट की समस्याएं हो सकती हैं। गंध या स्वाद की समस्या इस बार नहीं देखी गई है। क्या है विशेषज्ञों की सलाह? स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, परीक्षण में भले ही रोगियों की संख्या कम है, पर सैंपल में वायरल लोड में स्पाइक दिख रहे हैं, यह एक निश्चित संकेतक है कि नए वैरिएंट्स के कारण कोविड-19 के मामले वास्तव में बढ़ रहे हैं। राहत की बात यही है कि ज्यादातर लोगों में लक्षण हल्के स्तर के ही हैं। कोरोना से बचाव करते रहना सभी के लिए आवश्यक है। कोविड एप्रोप्रिएट बिहेवियर आपको संक्रमण से सुरक्षित रहने में मदद करेंगे।

बड़ी कामयाबी: वैज्ञानिकों ने बनाया खास सेंसर, मात्र 10 सेकेंड में पता चल जाएगा आपको कोविड है या फ्लू?

देश में इन दिनों कोविड-19 और H3N2 इंफ्लुएंजा दोनों के संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इंफ्लुएंजा या फ्लू को आमतौर पर हल्के लक्षणों वाले संक्रमण के तौर पर देखा जाता रहा है, पर इस बार इसके H3N2 वैरिएंट के कारण लोगों में गंभीर रोग का खतरा भी विकसित होते हुए देखा गया है। इसके साथ कोरोना का XBB.1.16 सब-वैरिएंट अधिक संक्रामकता और इम्यून स्केप क्षमता वाला है जिसके कारण संक्रमण का खतरा उन लोगों में भी बना हुआ है जिनका वैक्सीनेशन हो चुका है। चूंकि दोनों संक्रमण के लक्षण लगभग एक जैसे हैं इस वजह से लोगों के लिए इनमें आसानी से अंतर कर पाना भी कठिन हो रहा है। कोविड-19 और फ्लू के मामलों की जांच के लिए अलग-अलग टेस्ट की आवश्यकता होती है, इस बीच शोधकर्ताओं ने एक ऐसे सेंसर के बारे में बताया है जो कोविड-19 और फ्लू दोनों की पुष्टि कर सकता है। दावा किया जा रहा है कि जांच की प्रक्रिया में सिर्फ 10 सेकेंड्स का वक्त लगता है। आइए इस बारे में जानते हैं। सेंसर बेस्ड है जांच की यह तकनीक वैज्ञानिकों ने बताया कि सिंगल-एटम-थिक नैनोमैटरियल से बने इस सेंसर के माध्यम से दोनों ही वायरस की उपस्थिति का पता लगाया जा सकता है। परंपरागत जांच की प्रक्रियाओं की तुलना में इससे कहीं अधिक तेजी से परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। इस सेंसर बेस्ड शोध के परिणाम को अमेरिकन केमिकल सोसाइटी (ACS) के बैठक में पेश किया जाना है।

शोधकर्ताओं को उम्मीद है कि इस शोध को वैश्विक मान्यता मिलेगी जिसके माध्यम से इन दोनों प्रकार के संक्रमण का पता लगाना काफी आसान हो सकता है। फ्लू और कोविड-19 दोनों का चल सकेगा पता इस शोध के बारे में बताते हुए डॉ डेजी अकिनवांडे, जोकि बैठक में इस सेंसर को पेश करने वाले हैं, वह कहते हैं कि फ्लू और कोविड-19 दोनों के लक्षण काफी हद तक ओवरलैप होते हैं। जिससे उनके बीच अंतर करना मुश्किल हो जाता है। जबकि ये दोनों वायरस एक साथ काफी तेजी से बढ़ रहे हैं, ऐसे में यह सेंसर बेहद उपयोगी होगा जो एक साथ यह पता लगा सकता है कि आपको कोविड-19 है फ्लू, या फिर इनमें से कोई नहीं है या दोनों हैं। संक्रमण की हल्की स्थिति का पता लगाने में भी कारगर

शोधकर्ताओं का कहना है कि इस सेंसर को मंजूरी मिलने के बाद इन दोनों संक्रमण का पता लगाने के लिए अलग-अलग जांच की जरूरत नहीं होगी। डॉ डेजी की प्रयोगशाला

चार्ल्स पटेल

में इस शोध को लेकर काम करने वाले डॉ दिमित्री किरीव कहते हैं, कोविड-19 और फ्लू की जांच के लिए इस सेंसर के हेक्सागोनल पैटर्न में व्यवस्थित कार्बन परमाणुओं की एक परत (ग्राफीन) का इस्तेमाल किया गया है।

ये अल्ट्रा-थिन नैनोमैटिरियल्स आमतौर पर एकल परमाणुओं का पता लगाने के लिए सबसे अच्छी संवेदनशीलता वाले हैं, जो किसी भी चीज की बहुत कम मात्रा होने का भी पता लगाने की क्षमता रखते हैं, चाहे वह बैक्टीरिया हो या वायरस।

शरीर के लिए सल्फर है जरूरी, इससे हृदय-त्वचा की समस्याओं में लाभ, जानिए कैसे प्राप्त करें

महेक जोबनपुत्रा

हमारे शरीर को बेहतर तरीके से काम करते रहने के लिए नियमित रूप से कई प्रकार के पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। आमतौर पर आहार के माध्यम से हम सभी प्रोटीन और विटामिन्स तो प्राप्त कर लेते हैं, पर कई प्रकार के मिनरल्स की पूर्ति पर ध्यान नहीं दे पाते हैं। इस तरह की स्थिति दीर्घकालिक रूप में शरीर को कई प्रकार के नुकसान पहुंचा सकती है। सल्फर भी एक ऐसा ही अतिआवश्यक मिनरल है जिसकी मात्रा और सेवन पर अक्सर चर्चा नहीं होती है।

सल्फर विभिन्न खाद्य पदार्थों में पाया जाता है और इसके सप्लीमेंट्स भी उपलब्ध है। कुछ शोधकर्ताओं का मानना है कि आहार में सल्फर वाली चीजों की मात्रा बढ़ाने या फिर सल्फर सप्लीमेंट्स (कैप्सूल या पाउडर) लेने से एलर्जी, ऑस्टियोआर्थराइटिस और मांसपेशियों में दर्द जैसी समस्याओं को कम कर सकते हैं। इसके अलावा, सल्फर को विभिन्न त्वचा समस्याओं और बालों को स्वस्थ रखने के लिए भी इस्तेमाल किया जाता रहा है। आइए जानते हैं कि इसके क्या-क्या लाभ हो सकते हैं और आहार के माध्यम से इसे कैसे प्राप्त किया जा सकता है? क्यों जरूरी है सल्फर? सल्फर शरीर में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह शरीर में प्रोटीनों के उत्पादन के लिए आवश्यक है, जिन्हें अमीनो एसिड के रूप में जाना जाता है। दवाओं में भी सल्फर का लंबे समय से उपयोग किया जाता रहा है। प्राकृतिक एंटी-माइक्रोबियल के रूप में, सल्फर त्वचा संबंधी समस्याओं जैसे कि मुहांसे, डैंड्रफ, बालों की दिक्कत और मस्से के उपचार में भी कारगर माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सप्लीमेंट्स की जगह आहार के माध्मय से पोषक तत्वों का सेवन करना अधिक लाभकारी होता है। सल्फर आर्थराइटिस की समस्या में फायदेमंद कई प्रकार के प्लांट और एनिमल बेस्ड खाद्य पदार्थों में मिथाइल सल्फोनी लमीथेन (एमएसएम) पाया जाता है जोकि सल्फर युक्त यौगिक है। शोध से पता चला है कि यह शरीर में सूजन को कम कर सकता है जिससे जोड़ों-मांसपेशियों में दर्द और इसकी दिक्कतों में आराम मिलता है। अध्ययन में पाया गया कि क्रोनिक ऑस्टियोआर्थराइटिस के कारण होने वाले घुटने के दर्द के शिकार लोगों को एमएसएम वाले आहार का 12 सप्ताह तक सेवन करके लाभ प्राप्त हुआ। हृदय के लिए जरूरी है सल्फर आर्थराइटिस के साथ-साथ हृदय की सेहत को ठीक रखने में भी सल्फर की भूमिका देखी गई है। गोभी की प्रजाति वाली कई सब्जियों में ग्लूकोसाइनोलेट्स नामक सल्फर युक्त यौगिक होता है। इसे हृदय रोग की समस्याओं को कम करने में फायदेमंद पाया गया है। एक अध्ययन में पाया है कि इस प्रकार की सब्जियों के सेवन से कार्डियोवैस्कुलर बीमारी और इससे संबंधित मृत्युदर कम होती है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : राशि स्वामी का गोचर तृतीय भाव में होगा। आपके बल पराक्रम में वृद्धि होगी। भाई-बहनों से संबंध में सुधार आएगा। हालांकि भाई-बहनों के लिए दौड़भाग करनी पड़ सकती है। भाग्य पर मंगल की दृष्टि होने से अटके कार्य पूरे होंगे। धन का आगमन होगा। भूमि, कृषि आदि के कार्यों से लाभ होगा। स्वास्थ्य में थोड़ी नरमी रह सकती है।

वृषभ : राशि स्वामी शुक्र आपके द्वादश भाव में रहेगा। कोर्ट-कचहरी के फंसे मामले निपटेंगे। खर्च की अधिकता रहेगी। परिवार के किसी बड़े कार्य पर अचानक खर्च करना पड़ सकता है। रोग और शत्रुओं में वृद्धि होगी। संतान को कोई शारीरिक कष्ट आ सकता है। सप्ताहांत में धन का आगमन बढ़ेगा। नौकरीपेशा लोगों को शुभ समाचान मिल सकता है।

मिथुन : राशि स्वामी बुध की दशम में उपस्थित लाभदायक रहेगी। आजीविका के साधनों में उन्नति, बढ़ोतरी होने के योग रहेंगे। सप्ताह में धन की आवक तेज रहेगी। भौतिक सुख-सुविधाओं, भूमि-संपत्ति संबंधी कार्य तेजी से होंगे। कार्य व्यवसाय में मनमुताबिक कार्य करने की आजादी मिलेगी। घर-परिवार में मांगलिक प्रसंग होगा।

कर्क : आपके लिए सप्ताह ठीक नहीं है। प्रत्येक कार्य में सतर्क रहना होगा। कोई बड़ा निवेश करने से बचें। बिना सोचे समझे कोई भी कार्य करना नुकसानदायक हो सकता है। संपत्ति खरीदी-बिक्री से पहले अच्छे से दस्तावेज जांच लें। पेट संबंधी रोग परेशान करेगा। सप्ताह के मध्य से स्थितियां थोड़ी संभलने लगेंगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। ।

सिंह : राशि स्वामी सूर्य की अष्टम में उपस्थिति ठीक नहीं कही जा सकती। नेत्र पीड़ा आ सकती है। सम्मान में किसी प्रकार की कमी हो सकती है। नौकरीपेशा उन्नति पाने से वंचित रह सकते हैं। हालांकि धन संबंधी कार्यों के लिए समय श्रेष्ठ है। फंसा हुआ पैसा मिल सकता है। कार्य तेजी से होंगे। अपनी वाणी के प्रभाव से दूसरों से अपने मुताबिक कार्य करवाने में सफल रहेंगे।

कन्या : सप्तम में राशि स्वामी की उपस्थिति वैवाहिक दांपत्य जीवन के लिए उत्तम है। बिगड़े संबंध एक बार फिर पटरी पर आएंगे। संकट कम होंगे। शारीरिक रोग दूर होंगे। यदि नौकरी के लिए कहीं अप्लाई कर रखा है तो उसका सकारात्मक संदेश आएगा। नए कार्य प्रारंभ करने के लिए समय ठीक है। साझेदारी फलदायी रहेगी। धन की आवक में वृद्धि होगी। पुराने मित्रों से भेंट होने का योग है।

तुला : राशि स्वामी शुक्र आपके सप्तम भाव में गोचर करेगा। पारिवारिक वैवाहिक जीवन श्रेष्ठ रहेगा। लोग आपसे प्रभावित रहेंगे। साथ काम करने का प्रस्ताव देंगे। आपको नए प्रेम प्रस्ताव मिल सकते हैं। आर्थिक स्थिति के लिए सप्ताह शुभ है। कार्य में प्रगति होगी। नए कार्य प्रारंभ करेंगे। निवेश से लाभ अर्जित करेंगे। इस सप्ताह शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे।

वृश्चिक : आपके लिए सप्ताह ठीक नहीं है। प्रमुख रूप से वाहन-मशीनरी, इलेक्ट्रानिक उपकरणों का प्रयोग करते समय सावधानी रखें। किसी से उधार दिया पैसा मांगेंगे तो विवाद होगा। परिवार में महत्व कम मिलने से परेशान रहेंगे। विवादित स्थितियों से बचने का प्रयास करेंगे तो सुखी रहेंगे। सप्ताहांत में शुभ समाचार मिलेगा।

धनु : सुख-संपत्ति में वृद्धि होगी। धन का आगमन तेज होगा। फंसा हुआ पैसा भी लौट आने के योग बनेंगे। मानसिक शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। परिवार में माहौल सुखद रहेगा। मांगलिक प्रसंगों में शामिल होने का अवसर आएगा। प्रेम प्रस्ताव मिल सकता है। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। नए कार्य प्रारंभ करने के लिए समय उत्तम है।

मकर : धन और वाणी का प्रभाव बढ़ेगा। लोग आपसे प्रभावित रहेंगे। परिवार और समाज में आपके निर्णय को सराहा जाएगा। इस सप्ताह भूमि, संपत्ति संबंधी कार्यों में लाभ होगा। अष्टम पर राशि स्वामी की दृष्टि होने से रोग दूर होंगे। शत्रु परास्त होंगे और प्रत्येक क्षेत्र में आपको महत्व मिलेगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से सप्ताह शुभ है।

कुंभ : सप्ताह श्रेष्ठ है। लंबे समय से अटके हुए कार्य पूरे हो जाएंगे। मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। अवसरों का लाभ मिलेगा। संकटों का समाधान स्वतः ही हो जाएगा। नए कार्य व्यवसाय में हाथ आजमा सकते हैं। किंतु इसके लिए कर्ज लेना पड़ सकता है। दांपत्य जीवन मधुर रहेगा। परिवार में महत्व मिलेगा। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मीन : सप्ताह उत्तम है। पिछले समय में की गई मेहनत का शुभ परिणाम मिलने वाला है। संकटों का समाधान स्वतः ही हो जाएगा। परिवार में सुख-समृद्धि रहेगी। अवसरों का सही समय पर लाभ उठाने का प्रयास करें। भूमि, भवन संबंधी कार्यों का निपटारा होगा। मानसिक शारीरिक परेशानियां दूर होंगी। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। लोग आपके कार्यों से प्रभावित होंगे।

चुटकुले

पत्नी ने एक दिन अपने पति का मोबाइल चेक किया तो उसमें कुछ इस तरह नाम सेव थे...
आंखों का इलाज, दिल का इलाज
पत्नी ने अपना नंबर डायल किया, तो आया 'लाइलाज'
पति पर फूटा गुस्सा!

English के अलावा हिंदी में भी कुछ शब्द Silent होते हैं।
जैसे की अगर ध्यान दिया हो तो... ,
जब कोई दुकानदार भाव करते समय कहता है कि "आपको ज्यादा नहीं लगाएंगे" तो इसमें..
"चूना" शब्द Silent होता है।

टीटू के घर की दीवार पर लगी घड़ी बंद हो गई।
जब टीटू ने घड़ी को खोल कर देखा तो उसमें एक मच्छर मरा हुआ मिला।
टीटू बोला- अब समझ में आया, घड़ी चलेगी कैसे, इसका तो ड्राइवर ही मर गया है।

चीकू- अरे ये लोग बार-बार बॉल को लात क्यों मार रहे हैं?
मीकू- अरे वे सभी गोल कर रहे हैं।
चीकू- बॉल तो पहले से गोल है,और कितना गोल करेंगे।
चीकू की बात सुनकर मीकू बेहोश हो गया।

पप्पू- 80 साल की उम्र में भी आप बीवी को डार्लिंग कहते हैं। इस प्यार का राज क्या है?
बूढ़ा व्यक्ति- बेटे 20 साल पहले इनका नाम भूल गया था,
पूछने की हिम्मत नहीं हुई ,इसलिए डार्लिंग कहता हूं।

इंदौर मंदिर हादसे में मृतक संख्या 36 हुई

मौत के बाद अंगदान से औरों को नई जिंदगी दे गए आठ श्रद्धालु

इंदौर (मध्यप्रदेश)। इंदौर की पुरातन बावड़ी के ऊपर बनाए गए एक मंदिर की फर्श धंसने के कारण जान गंवाने वाले 36 श्रद्धालुओं में से आठ के परिवारों ने मानवता की नजीर पेश की है। इन्होंने अपने दिवंगत स्वजनों की त्वचा और नेत्र दान कर दिए है ताकि इनके प्रत्यारोपण के बाद जरूरतमंद मरीजों को नई जिंदगी मिल सके। इंदौर सोसायटी फॉर ऑर्गन डोनेशन से जुड़े सामाजिक संगठन मुस्कान ग्रुप के स्वयंसेवक संदीपन आर्य ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बड़े दिल वाले आठ परिवार अपने उन दिवंगत स्वजनों की त्वचा और आंखे दान करने के लिए सहमत हुए जिन्हे उन्होंने बृहस्पतिवार को रामनवमी पर आयोजित हवन के दौरान बेलेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर की फर्श धंसने के बाद खो दिया था। आर्य ने बताया कि दक्षा पटेल, इंद्र कुमार, भूमिका खानचंदानी, लक्ष्मी पटेल, मधु भम्मानी, जयंती बाई, भारती कुशरेजा और कनक पटेल का मरणोपरांत नेत्र दान किया गया। उन्होंने बताया कि इंद्र कुमार, भूमिका खानचंदानी और जयंती बाई के नेत्रों के साथ उनकी त्वचा भी दान की गई।

इंदौर के जिस पटेल नगर स्थित मंदिर के नीचे बरसों दबी रही बावड़ी में गिरकर 36 श्रद्धालु काल के गाल में समा गए, वहां अब शोक का चुभने वाला सन्नाटा पसरा है। करीब 24 घंटे चले बचाव अभियान के दौरान बावड़ी से निकाला गया 36वां शव सुनील सोलंकी (52) का था। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि यह हादसा शहर के इतिहास की सबसे भीषण दुर्घटना के रूप में दर्ज हो गया है जिसमें 21 महिलाओं और दो बच्चों ने भी जान गंवाई है। पटेल नगर के बाशिंदे उस घड़ी को अब तक नहीं भूल सके हैं, जब बेलेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर की फर्श हवन-पूजन के दौरान कुछ इस तरह धंसी कि ज्यादातर लोगों को अपनी जान बचाने का मौका ही नहीं मिल सका। मंदिर के पास रहने वाले अनिल भटेवरा (65) ने शुक्रवार को पीटीआई-भाषा को बताया, मंदिर में बृहस्पतिवार 12:00 बजे के आस-पास दुर्घटना हुई। कुछ महिलाएं बदहवास हालत में दौड़कर मेरे पास पहुंचीं और बताया कि कई लोग बावड़ी में गिर गए हैं। भटेवरा ने कहा, मैं मंदिर के नजदीक ही रहता हूं, लेकिन बावड़ी में गाद इतनी थी कि हमें लोगों के इसमें गिरने की कोई आवाज ही नहीं आई। हम तुरंत मंदिर में पहुंचे और 17-18 लोगों को बावड़ी से बाहर निकाला। उन्होंने बताया कि वर्ष 1972 के दौरान यह बावड़ी पूरी तरह खुली थी और वह इसमें उतरकर नहाते थे। भटेवरा ने बताया, ..लेकिन 1983 के आस-पास इस बावड़ी को ढंक दिया गया। हमने इस बावड़ी को ढंके जाने के खिलाफ प्रशासन को आठ-दस बार शिकायत की। एक बार एक अनुविभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) बुलडोजर के साथ भी आए, लेकिन वह लौट गए। हमें पता नहीं कि इस बावड़ी को हादसा होने तक अतिक्रमण से मुक्त क्यों नहीं कराया जा सका। भटेवरा ने कहा कि मंदिर हादसे के दोषियों के खिलाफ जरूर कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन उन्हें इस बात का सबसे ज्यादा दु:ख है कि उन्होंने अपने मोहल्ले को लोगों को रामनवमी के उस दिन खो दिया, जब वहां धार्मिक उल्लास का माहौल था।

बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि से करीब 20 प्रतिशत आम की फसल को नुकसान

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवा के कारण देश में आम की फसल को 20 प्रतिशत तक नुकसान पहुंचा है। कई आम उत्पादकों ने कहा कि ओलावृष्टि और आंधी के कारण उत्तर भारत में भारी नुकसान हुआ है। आम भारत में एक महत्वपूर्ण फल है और लोकप्रिय रूप से इसे फलों का राजा कहा जाता है। भारत एक प्रमुख आम उत्पादक देश है, जो विश्व के उत्पादन में लगभग 42 प्रतिशत का योगदान देता है। पिछले कुछ दिनों से पश्चिमी विक्षोभ के कारण बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवा ने देश के कुछ हिस्सों में खाद्यान्न और बागवानी फसलों दोनों को प्रभावित किया है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के उप महानिदेशक (बागवानी) एके सिंह ने पीटीआई-भाषा को बताया, पहले बेमौसम बारिश से नुकसान नहीं हुआ, लेकिन बाद में बारिश और ओलावृष्टि ने आम की फसल को बुरी तरह प्रभावित किया है। फिलहाल हम कुल नुकसान लगभग 20 प्रतिशत तक होने का अनुमान लगा रहे हैं। आम की फसल का नुकसान उत्तर भारत में अधिक रहा है, विशेष रूप से उत्तर प्रदेश जो देश में एक प्रमुख आम उत्पादक राज्य है। उन्होंने कहा कि अकेले उत्तर भारत में आम की फसल का अनुमानित नुकसान लगभग 30 प्रतिशत है, जबकि दक्षिण भारत में नुकसान 8 प्रतिशत से कम है। हालांकि, राज्यों से ताजा आंकड़ों के आने का इंतजार है। लखनऊ के आम उत्पादक उपेंद्र सिंह ने कहा, माल-मलिहाबाद आम के मुख्य क्षेत्र में ओलावृष्टि से 75 प्रतिशत तक नुकसान हुआ है। उन जगहों पर जहां केवल बेमौसम बारिश हुई थी और कोई ओलावृष्टि नहीं हुई, वहां नुकसान कम हुआ है। उन्होंने कहा, 19 मार्च तक आम की फसल की स्थिति पिछले 30 वर्षों में सबसे बेहतर थी। 20 मार्च से बेमौसम बारिश और ओलों ने भारी नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि आम के बौर की अवस्था के दौरान उच्च नमी के कारण काली फफूंद (ब्लैक फंगस) लगी है। तफरी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी के निदेशक अतुल कुमार अवस्थी ने कहा, फल लग गए थे लेकिन तेज आंधी और तेज हवा के कारण फल गिर गए और फसल को करीब 25 प्रतिशत नुकसान होने का अनुमान है। उच्च नमी के कारण कुछ हिस्सों में आम के पेड़ों में कीट का प्रकोप हुआ है। उन्होंने कहा कि इससे निर्यात के उद्देश्य से गुणवत्ता वाले आमों की उपलब्धता प्रभावित होगी। सरकार के अनुमान के मुताबिक, देश का आम उत्पादन फसल वर्ष 2021-22 (जुलाई-जून) में 210 लाख टन रहा, जबकि उसके पिछले साल यह 203.86 लाख टन था।

भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के 3,095 नए मामले सामने आए

भारत में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 3,095 नए मामले आने के बाद देश में अभी तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,47,15,786 हो गई है। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 15,208 पर पहुंच गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शुक्रवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण से गोवा और गुजरात में एक-एक मरीज की मौत के बाद देश में मृतक संख्या बढ़कर 5,30,867 हो गई है। वहीं, संक्रमण से मौत के आंकड़ों का पुन:मिलान करते हुए केरल ने वैश्विक महामारी से जान गंवाने वाले मरीजों की सूची में तीन नाम और जोड़े हैं। भारत में संक्रमण की दैनिक दर 2.61 प्रतिशत और साप्ताहिक दर 1.91 प्रतिशत है। देश में अभी 15,208 लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 0.03 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार, मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.78 प्रतिशत है। अभी तक कुल 4,41,69,711 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं, जबकि कोविड-19 से मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक, भारत में राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 220.65 करोड़ खुराक लगाई जा चुकी हैं। गौरतलब है कि भारत में सात अगस्त 2020 को कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी।

सीबीआई ने ऋषिकेश एम्स में अनियमितताओं की जांच की, तलाशी ली

ऋषिकेश। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने शुक्रवार को यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में पूर्व निदेशक रविकांत के कार्यकाल के दौरान की गई नियुक्तियों और खरीद में कथित अनियमितताओं के सिलसिले में छापेमारी की। एम्स, ऋषिकेश के विधि अधिकारी प्रदीप पांडे ने कहा कि जांच एजेंसी ने कथित अनियमितताओं से संबंधित अतिरिक्त दस्तावेज मांगे हैं, जो उसे उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पुलिस उपाधीक्षक राजीव चंदोला के नेतृत्व में सीबीआई की एक टीम ने तलाशी ली। सीबीआई ने अप्रैल 2022 में एम्स, ऋषिकेश में छापेमारी की और पांच लोगों के खिलाफ दो अलग-अलग मामले दर्ज किए। सीबीआई द्वारा अनियमितताओं की जांच शुरू करने से पहले, सतर्कता विभाग ने भी एम्स, ऋषिकेश के भीतर एक फार्मेसी के लिए उपकरणों की खरीद और जगह के आवंटन को लेकर निविदाओं को प्रदान करने में गड़बड़ी की जांच की थी।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे पहुँचे सासाराम

- डीएम एसपी के साथ केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के प्रस्तावित रैली स्थल का किया निरीक्षण

सासाराम में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की प्रस्तावित रैली को लेकर स्थल का निरीक्षण करते केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे

केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे देर शाम सासाराम पहुंचे। उन्होंने डीएम एवं एसपी के साथ केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की 2 अप्रैल को प्रस्तावित रैली स्थल का निरीक्षण किया। पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। रैली की तैयारियों का जायजा लिया। केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने सासाराम में रामनवमी के अवसर पर हुए उपद्रव पर दुख एवं चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि घटना अत्यंत दुखदायी एवं निंदनीय है। उपद्रवियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री चौबे ने डीएम और एसपी से घटना की जानकारी ली। उन्होंने जिला एवं पुलिस प्रशासन को सख्त से सख्त कार्रवाई करने को निर्देशित किया। घटना के संबंध में डीआईजी से भी जानकारी ली। केंद्रीय मंत्री चौबे ने कहा कि असामाजिक तत्व और उपद्रवियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाना चाहिए। उन्होंने भाईचारा यात्रा सभी सामाजिक संगठनों आदि के साथ निकालने का भी निर्देश जिला प्रशासन को दिया। इसके पहले केंद्रीय मंत्री चौबे ने बिक्रमगंज दिनारा एवं सासाराम में 2 अप्रैल की रैली को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की रैली को ऐतिहासिक बनाने और बड़ी संख्या में लोगों आए इस संबंध में व्यवस्था आदि पर चर्चा की। रैली स्थल पर तैयारियों एवं सुरक्षा आदि का जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ जायजा लिया।

चालू खाता घाटा तीसरी तिमाही में घटकर जीडीपी का 2.2 प्रतिशत रहा

मुंबई। भारत का चालू खाता घाटा वित्त वर्ष 2022-23 की दिसंबर तिमाही में घटकर 18.2 अरब अमेरिकी डॉलर यानी जीडीपी का 2.2 प्रतिशत रह गया। चालू खाता घाटा मुख्य रूप से वैश्विक व्यापार के मोर्चे पर देश की स्थिति को बताता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में कहा कि मुख्य रूप से वस्तु व्यापार घाटे में कमी के चलते यह गिरावट हुई। चालू खाता घाटा (कैड) 2022-23 की दूसरी तिमाही में 30.9 अरब डॉलर यानी जीडीपी का 3.7 प्रतिशत था। दूसरी ओर 2021-22 की दिसंबर तिमाही में यह 22.2 अरब डॉलर यानी जीडीपी का 2.7 प्रतिशत था। आरबीआई ने कहा, 2022-23 की तीसरी तिमाही में चालू खाता घाटा कम होने की प्रमुख वजह वस्तु व्यापार घाटा में कमी है, जो 2022-23 की दूसरी तिमाही में 78.3 अरब डॉलर से घटकर 72.7 अरब डॉलर रह गया। इसके अलावा मजबूत सेवाओं और निजी हस्तांतरण प्राप्तियों से भी समर्थन मिला। सॉफ्टवेयर, व्यापार और यात्रा सेवाओं के बढ़ते निर्यात के कारण सेवा निर्यात में सालाना आधार पर 24.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। शुद्ध रूप से सेवा प्राप्तियों में वृद्धि हुई। दिसंबर तिमाही में शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश घटकर 2.1 अरब डॉलर रह गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 4.6 अरब डॉलर था। वित्त वर्ष 2022-23 की दिसंबर तिमाही में शुद्ध विदेशी पोर्टफोलियो निवेश 4.6 अरब डॉलर रहा, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 5.8 अरब डॉलर की शुद्ध निकासी हुई थी।

मुद्रा संकट का सामना कर रहे देशों के साथ भारतीय रुपए में व्यापार करने को हैं तैयार

नई दिल्ली। भारत ऐसे देशों के साथ भारतीय रुपए में व्यापार करने को तैयार है जो डॉलर की कमी या मुद्रा की विफलता का सामना कर रहे हैं। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने शुक्रवार को यह कहा। विदेशी व्यापार नीति (एफटीपी) 2023 की घोषणा होने के बाद बर्थवाल ने कहा कि सरकार रुपए में भुगतान की प्रणाली को मजबूत करने पर ध्यान दे रही है। उन्होंने बताया कि भारतीय रुपए को वैश्विक मुद्रा बनाने के उद्देश्य के साथ एफटीपी में बदलाव किए गए हैं जिससे कि उसमें विदेशी व्यापार लेनदेन संभव हो सकें। इस मौके पर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भरोसा जताया कि 2030 तक 2000 अरब डॉलर का निर्यात लक्ष्य प्राप्त हो जाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कोई भी उद्योग महज सब्सिडी या सहारे के आधार पर सफल नहीं हो सकता है। गोयल ने कहा कि आने वाले दिनों में निर्यात को लेकर विचार में भी बदलाव आएगा। विदेशी व्यापार महानिदेशक (डीजीएफटी) संतोष सारंगी ने कहा कि एफटीपी 2023 की घोषणा नीति निरंतरता और एक उत्तरदाई ढांचा प्रदान करने के लिए की गई है। उन्होंने कहा कि अग्रिम अधिकृतता और ईपीसीजी अधिकृतता धारकों के लिए एफटीपी के तहत निर्यात दायित्व में चूक के एकमुश्त निपटान के लिए आम माफी योजना शुरू की गई है।

पुलिस ने होशियारपुर के डेरों में भी अमृतपाल की तलाश शुरू की

पंजाब पुलिस ने अलगाववादी अमृतपाल सिंह की तलाश का दायरा होशियारपुर जिले में डेरों और अन्य संभावित ठिकानों तक बढ़ा दिया, जहां तीन दिन पहले कुछ संदिग्धों ने पीछा किए जाने के बाद अपनी कार छोड़ दी थी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रमुख सड़कों पर बैरिकेड लगा दिए गए हैं और मार्निंयन के साथ ही हरखोवाल, बीवी दी पंडोरी सहित आसपास के गांवों में सभी गाड़ियों की गहन तलाशी ली जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस कर्मी कई गांवों में डेरा, रिहायशी जगहों, नलकूपों के पास बने छोटे कमरों और यहां तक कि पशुओं के लिए बनाए गए ठिकानों की भी तलाशी ले रहे हैं। होशियारपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरताज सिंह चहल ने कहा कि कड़ी निगरानी की जा रही है। ऐसी खबरें थीं कि अमृतपाल के सहयोगी कहे जाने वाले जोगा सिंह को पकड़ा गया है।

हिमंत विश्व शर्मा ने केजरीवाल के खिलाफ मानहानि का मुकदमा करने की चेतावनी दी

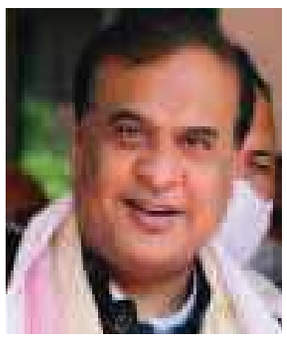

राहुल गांधी नैतिक रूप से भ्रष्ट नेता हैं : हिमंत

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी नैतिक रूप से भ्रष्ट राजनीतिक नेता है। उन्होंने याद दिलाई कि गांधी ने 2013 में एक विधेयक में उस संशोधन का विरोध किया था जो किसी दोषी सांसद को संसद सदस्य बने रहने देता। शर्मा ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने संशोधन लाने की कोशिश की थी, लेकिन गांधी ने सार्वजनिक रूप से उनकी निंदा की और अध्यादेश की प्रति फाड़ दी। और अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे मांग कर रहे है कि दोषी साबित सांसद अयोग्य नही ठहराए जाने चाहिए।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को चेताया कि अगर दिल्ली के मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) के नेता अरविंद केजरीवाल ने विधानसभा के बाहर उनके खिलाफ भ्रष्टाचार का आरोप लगाया तो वह उनके खिलाफ मानहानि का वाद दायर करेंगे। दो अप्रैल को यहां एक राजनीतिक रैली को संबोधित करने वाले केजरीवाल ने कथित तौर पर दिल्ली विधानसभा में कहा था कि शर्मा के खिलाफ मामले हैं। शर्मा ने एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा, क्या देश में कहीं भी मेरे खिलाफ कोई प्राथमिकी या मामला है? मैं उन (केजरीवाल) पर मुकदमा करना चाहता था लेकिन एक कायर की तरह उन्होंने विधानसभा के अंदर बात की। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि एक व्यक्ति को विधानसभा में किसी के खिलाफ नहीं बोलना चाहिए क्योंकि आरोपी वहां अपना पक्ष रखने के लिए उपस्थित नहीं है। उन्होंने कहा, केजरीवाल दो अप्रैल को यहां आएं और कहें कि मैं भ्रष्ट हूं। अगले दिन मैं उनके खिलाफ मानहानि का वाद दायर करूंगा जैसा कि मैंने (आम आदमी पार्टी नेता) मनीष सिसोदिया के खिलाफ किया है। शर्मा ने दिल्ली के तत्कालीन उपमुख्यमंत्री सिसोदिया के खिलाफ कामरूप के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पिछले साल अगस्त में मानहानि वाद दायर किया था। नई दिल्ली में संवाददाता सम्मेलन में शर्मा के खिलाफ कुछ आरोप लगाने के लिए यह वाद दायर किया गया था। भाजपा नेता शर्मा तब स्वास्थ्य मंत्री थे।

भाजपा चाहती है कि देश का पैसा लेकर भागने वालों से माफी मांगे राहुल गांधी : पवन खेड़ा

कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि लोकसभा की सदस्यता से राहुल गांधी को अयोग्य ठहराए जाने से जुड़ा घटनाक्रम बुलेट ट्रेन की गति से सामने आया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीद करती है कि राहुल गांधी उन लोगों से माफी मांगें , जो भारत से लोगों का पैसा लेकर भाग गए हैं। यहां राजीव भवन में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा, पिछले कुछ दिनों में ट्विटर पर समर्थन की सुनामी आ गई है और कई लोग राहुल गांधी को अपने घरों की पेशकश कर रहे हैं क्योंकि वह हमारे दिल में रहते हैं। खेड़ा ने कहा कि सरकार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के घर के बारे में चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। गांधी को उनकी मोदी उपनाम टिप्पणी पर 2019 के आपराधिक मानहानि मामले में सूरत की एक अदालत ने 23 मार्च को दोषी ठहराया था और दो साल की जेल की सजा सुनाई थी। इसके एक दिन बाद, लोकसभा सचिवालय ने एक अधिसूचना जारी कर गांधी को लोकसभा सदस्य के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया था, जिसके बाद गांधी को उनका सरकारी आवास खाली करने के लिए नोटिस दिया गया है। अडाणी मुद्दे पर जवाब मांगने का पार्टी का अभियान जोर-शोर से जारी रहेगा और हमारी पार्टी के नेता किसी से माफी नहीं मांगेंगे, परिणाम चाहे जो भी हो। कांग्रेस ने ललित मोदी द्वारा ब्रिटेन की अदालत में राहुल गांधी पर मुकदमा चलाने की धमकी दिए जाने के बाद बृहस्पतिवार को आरोप लगाया था कि अब ऐसे वैश्विक घोटालेबाज लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बचाव में सामने आ रहे हैं।

तरनतारन में हमलावरों ने सिख ग्रंथी का पैर काटा

अमृतसर। पंजाब के तरनतारन जिले में एक सिख ग्रंथी पर धारदार हथियारों से हमला कर उसके पैर को काटकर अलग कर दिया गया, लेकिन पैर के कटे हुए हिस्से को अभी तक नहीं बरामद किया जा सका है। एक पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) गुरमीत चौहान ने कहा कि 32 वर्षीय सुखचैन सिंह पर बीती रात को खदूर साहिब कस्बे में हमला किया गया और हमलावर घटना के बाद भागने में सफल रहे। चौहान ने कहा कि ग्रंथी को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनकी दो सर्जरी की गई और अब उनकी हालत खतरे से बाहर है। सुचैन सिंह बन्निया गांव स्थित एक गुरुद्वारे में ग्रंथी के रूप में कार्यरत थे। एसएसपी ने कहा, उनके पैर को क्रूरता पूर्वक काटकर अलग कर दिया, उनके हाथों की अंगुलियों पर भी चोट के गहरे निशान हैं। बदमाशों ने पैर के जिस हिस्से को काटकर अलग किया वह अभी तक आसपास नहीं मिला है। पुलिस ने पीड़ित के परिवार के बयान के आधार पर मामला दर्ज किया है। एसएसपी ने कहा कि अपराधियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

नतीजे तय करने में लिंगायत समुदाय की भूमिका अहम, हर दल जुटा लुभाने में

- कर्नाटक चुनाव

देश के चुनावी इतिहास में जातियों की गोलबंदी नतीजों को हमेशा से प्रभावित करती रही हैं। चर्चा अक्सर बिहार और उत्तर प्रदेश की होती है लेकिन दक्षिण का राज्य कर्नाटक भी इससे अछूता नहीं है। इस चुनावी राज्य की राजनीति को समझने के लिए यहां की प्रमुख जातियों को समझना जरूरी है, खासकर यहां के प्रभावशाली लिंगायत या वीरशैव-लिंगायत समुदाय के महत्व का विश्लेषण महत्वपूर्ण है। क्योंकि यहां के नतीजे तय करने में इस समुदाय की भूमिका प्रमुख होती है और हर दल उसे लुभाने की कोशिशों में जुटा है। कर्नाटक के सामाजिक इतिहास में लिंगायत समुदाय का एक महत्वपूर्ण स्थान है। 12वीं शताब्दी में एक अलग विचार प्रक्रिया के कारण इसका उद्भव हुआ। इस विचार के लोगों ने मौजूदा परंपराओं पर सवाल उठाए, समाज सुधारक बासवन्ना और अन्य वचनकारों ने जाति व्यवस्था के खिलाफ विद्रोह किया और इसे उन सभी लोगों का समर्थन मिला, जो भेदभाव के शिकार थे, विशेष रूप से कामकाजी वर्ग। इसने आगे चलकर एक संप्रदाय का रूप लिया जो लिंगायत के रूप में जाना गया।कहा जाता है कि कर्नाटक की आबादी में लगभग 17 प्रतिशत लिंगायत हैं और कुल 224 निर्वाचन क्षेत्रों में से 100 में इनका प्रभुत्व है। इनमें से अधिकांश सीटें उत्तरी कर्नाटक क्षेत्र की हैं।वोक्कालिगा भी कर्नाटक का एक प्रभावी समुदाय है। एक आकलन के मुताबिक इनकी संख्या कुल आबादी का 15 प्रतिशत है। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) 35 प्रतिशत, अनुसूचित जाति व जनजाति 18 प्रतिशत, मुस्लिम लगभग 12.92 प्रतिशत और ब्राह्मण लगभग तीन प्रतिशत हैं।हालांकि, 2013 और 2018 के बीच की गई एक जाति जनगणना, जिसे अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है, के अनुसार लिंगायत और वोक्कालिगा की आबादी क्रमश: नौ और आठ प्रतिशत से बहुत कम है। वर्तमान विधानसभा में सभी दलों के 54 लिंगायत विधायक हैं, जिनमें से 37 सत्तारूढ़ भाजपा के हैं।इसके अलावा, 1952 के बाद से कर्नाटक के 23 मुख्यमंत्रियों में से 10 लिंगायत रहे हैं, इसके बाद छह वोक्कालिगा, पांच पिछड़ा वर्ग से और दो ब्राह्मण। आगामी 10 मई को होने वाले मतदान में जीत के लिए लिंगायतों का समर्थन हासिल करना कितना महत्वपूर्ण है, यह इसी से समझा जा सकता है कि सभी राजनीतिक दल इस प्रभावशाली समुदाय को लुभाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

एदियुरप्पा ने बेटे विजयेंद्र के वरुणा से चुनाव लड़ने की संभावनाओं को नकारा, शिकारीपुरा से लड़ेंगे

बेंगलुरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बी एस एदियुरप्पा ने शुक्रवार को अपने बेटे बी वाई विजएंद्र को कांग्रेस नेता सिद्धरमैया के खिलाफ वरुणा विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाए जाने से इनकार किया और कहा कि वह शिकारीपुरा से चुनाव लड़ेंगे। एदियुरप्पा ने कहा, वरुणा से विजएंद्र को मैदान में उतारने का दबाव पहले से ही है, लेकिन मैंने बहुत पहले कहा है कि हालांकि वरुणा का दबाव है, लेकिन उन्हें शिकारीपुरा से चुनाव लड़ना चाहिए। इसलिए विजएंद्र के वरुणा से चुनाव लड़ने का कोई सवाल ही नहीं उठता। विजएंद्र मेरे निर्वाचन क्षेत्र (शिवमोगा जिले के शिकारीपुरा) से चुनाव लड़ेंगे, इसलिए उन्हें वरुणा से चुनाव लड़ने के लिए कहने का कोई सवाल ही नहीं है।विजएंद्र के इस बयान पर कि भाजपा की अपनी ताकत है और वह पार्टी के फैसले का पालन करेंगे।

पाकिस्तान में लोग नाखुश, भारत के विभाजन को एक गलती मानते हैं : मोहन भागवत

- क्रांतिकारी हेमू कालाणी की जयंती में शामिल हुए

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि आजादी के सात दशक से अधिक समय के बाद भी पाकिस्तान के लोग खुश नहीं हैं और अब वे मानते हैं कि भारत का विभाजन एक गलती थी। वह किशोर क्रांतिकारी हेमू कालाणी की जयंती के अवसर पर आयोजित एक समारोह में बोल रहे थे, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से सिंधी समाज के लोग शामिल हुए। भागवत ने कहा कि अखंड भारत सत्य है, खंडित भारत दु:स्वप्न है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि भारत से अलग होने के सात दशक बाद भी पाकिस्तान में दुख है, जबकि भारत में सुख है। अमर बलिदानी हेमू कालाणी की जयंती पर यहां आयोजित समारोह में सिंधी समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा, हमको नया भारत बसाना है। भारत खंडित हो गया। आज जिसको हम पाकिस्तान कहते हैं, उसके लोग कह रहे हैं कि गलती हो गई। अपनी हठधर्मिता के कारण भारत से अलग हो गए, संस्कृति से अलग हो गए। क्या वे सुख में हैं? उन्होंने आगे कहा, यहां (भारत में) सुख है और वहां (पाकिस्तान में) दुख है। भागवत ने कहा, जो सही है, वह टिकता है। जो गलत है, वह आता है और जाता है। भागवत ने कहा कि सिंधी समुदाय सब कुछ गंवाकर भी शरणार्थी नहीं बना, लेकिन उसने पुरुषार्थी बनकर दिखा दिया। शहीद हेमू के नाम के साथ सिंध का नाम जुड़ा है। सिंधी समुदाय का स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान रहा है, लेकिन इसका उल्लेख कम होता है। उन्होंने कहा कि सिंधी समुदाय ने भारत नहीं छोड़ा था, वे भारत से भारत में ही आए थे। उन्होंने कहा, हमने तो भारत बसा लिया, लेकिन वास्तव में राष्ट्र खंडित हो गया। आज भी उस विभाजन को कृत्रिम मानते हुए सिंध के साथ मन से लोग जुड़े हैं। सिंधु नदी के प्रदेश सिंध से भारत का जुड़ाव रहेगा।

SPORTS खेल जगत

आयरलैंड ने बांग्लादेश को हराकर सूपड़ा साफ होने से बचाया

चटगांव। कप्तान पॉल स्टर्लिंग के 41 गेद मे 77 रन की बदौलत आयरलैंड ने शुक्रवार को यहां तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच मे बांग्लादेश को सात विकेट से हराकर अपना सूपड़ा साफ होने से बचा लिया। पहले दो टी20 जीतने वाले बांग्लादेश ने तीन मैच की श्रृंखला 2-1 से अपने नाम की। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की टीम 19.2 ओवर मे 124 रन पर सिमट गई।

कोसाद को खिताब, अमन शीर्ष भारतीय

बेंगलुरू। यूगो कोसाद ने अंतिम दौर मे पांच अंडर 67 के स्कोर के साथ शुक्रवार को यहां द चैलेज 2023 गोल्फ टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया।तीस साल के यूगो कल तक संयुक्त छठे स्थान पर रहे थे और शीर्ष पर चल रहे खिलाड़ी से चार शॉट पीछे थे। उन्होने चैलेजर टूर और पीजीटीआई से संयुक्त रूप से स्वीकृत इस टूर्नामेंट का खिताब 18 अंडर 270 के स्कोर स्कोर के साथ एक शॉट की बढ़त से जीता।

सेठी ने आईसीसी से बात नहीं की: पीसीबी

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि उसके अध्यक्ष नजम सेठी ने आईसीसी बोर्ड की बैठक मे कभी यह विचार नही रखा कि उनकी पुरुष टीम भारत के बजाय बांग्लादेश मे अपने विश्व कप मैच खेलने की इच्छुक है। पीटीआई-भाषा ने 29 मार्च को ही खबर दी थी कि आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) ने इस बात से इनकार कर दिया था कि उसके मंच पर कभी इस तरह की कोई भी चर्चा हुई थी। आईसीसी ने कहा था कि बांग्लादेश किसी भी विश्व कप मैच की मेजबानी के लिए भी दावेदार नही है क्योंकि बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) ने आश्वासन दिया था कि पाकिस्तान टीम के लिए वीजा की समस्या नही होगी।

खेलों के लिए हो रहें नये-नये प्रयोग

नई दिल्ली। खेलों में रुचि रखने वालों के लिए मोबाइल कंपनियां नये रिसर्च करती रहती है। स्मार्टफोन ब्रांड आईकू ने ऐसे ही प्रयोग किए हैं। गेमिंग बीस्ट आईकू जेड-7 को छह मोशन कंट्रोल ऑप्शन (लेफ्ट हैंड , राइट हैंड लिपिटंग, लेफ्ट, राइट लीनिंग, होरिजेंटल फॉर्वड प्रेसिंग और होरिजेंटल बैकवर्ड प्रेसिंग) और संबंधित इलेस्ट्रेशन के साथ आने वाले अल्ट्रा गेम मोड में द मोशन कंट्रोल जैसी सेंगमेंट-लीडिंग सुविधाओं के साथ इमर्सिव गेमिंग अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया है। इसके अतिरिक्त, आईकू जेड 7 निर्बाध गेमिंग के लिए अल्ट्रा गेम मोड के साथ आता है जहां यह उपयोगकर्ताओं को विभिन्न मोड के बीच स्विच करने देता है ताकि आपको किसी भी स्थिति में अपना गेम छोड़ना न पड़े। वही स्मार्टफोन ब्रांड आईकू ने प्रदेश में ऑनलाइन बिक्री की मात्रा में 440 प्रतिशत साल दर साल वृद्धि दर्ज की है, जिससे भारत में सबसे अधिक राजस्व योगदानकर्ताओं में से एक बन गया है। उप्र देश में आईकू जेड7 की बिक्री में 12 प्रतिशत योगदान देने वाले प्रमुख बाजारों में से एक था। आईकू के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, निपुन मार्या ने यह जानकारी दी।

पिस्टोरियस को नहीं मिली पेरोल,न्यूनतम सजा पूरी नहीं हुई

प्रिटोरिया। पूर्व ओलंपिक धावक ऑस्कर पिस्टोरियस को शुक्रवार को पेरोल से वंचित कर दिया गया क्योंकि उन्होने इसके लिए जरूरी सजा की न्यूनतम अवधि पूरी नही की है। पिस्टोरियस अपनी प्रेमिका रीवा स्टीनकैंप की 2013 मे गोली मारकर हत्या करने का आरोप साबित होने के बाद 13 साल पांच महीने जेल की सजा काट रहे है। पेरोल बोर्ड ने फैसला सुनाया कि पिस्टोरियस अगस्त 2024 मे फिर से आवेदन कर सकेंगे।

घरेलू मैदान पर जीत से आगाज करने के इरादे से उतरेगी लखनऊ सुपर जायंट्स

- दिल्ली के खिलाफ मुकाबला आज
- राहुल पर कप्तानी और बल्लेबाजी का दबाव

अपने घरेलू मैदान पर कल पहली बार उतर रही लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम जीत के साथ आईपीएल-16 से आगाज करने को उतरेगी। उसका मुकाबला शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स के साथ होगा। कल मे मैच से कप्तान लोकश राहुल भी अपना दम दिखाने को बेताब होंगे। भारतीय टीम के उप कप्तान की जिम्मेदारी से मुक्त किए जाने के बाद लखनऊ सुपर जायंटस की अगुवाई कर रहे लोकेश राहुल इंडियन बल्ले से लय हासिल करने के साथ नेतृत्व कौशल को भी साबित करने की चुनौती होगी। लखनऊ की टीम पहली बार अपने घरेलू मैदान पर खेलेगी। राहुल की अगुवाई में टीम पिछले साल लीग के अपने शुरुआती सत्र में प्लेऑफ में पहुंची थी लेकिन बीते कुछ समय से राहुल का बल्ला उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा है। दिल्ली की टीम को ऋषभ पंत की अनुपस्थिति में खिताब की संभावनाओं को करारा झटका लगा है लेकिन उनके पास कप्तान के तौर पर डेविड वार्नर जैसा आक्रामक सलामी बल्लेबाज है। सनराइजर्स हैदराबाद को अपने नेतृत्व में खिताब दिलाने वाले वार्नर दिल्ली के लिए भी ऐसी सफलता हासिल करना चाहेंगे।

कोच रिकी पोंटिंग की टीम को हालांकि वार्नर से ज्यादा मिशेल मार्श से उम्मीद होगी। मार्श ने भारत के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में 12 छक्के जड़े थे। वार्नर और सलामी बल्लेबाज पृथ्वी साव अगर टीम को तेज शुरुआत देने में विफल रहते है तो मार्श दो-तीन ओवरों में इसकी भरपाई कर सकते है। वार्नर आईपीएल के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक है लेकिन पिछले कुछ समय में उनके प्रदर्शन में गिरावट आई है। सरफराज खान पर विकेटकीपिंग का अतिरिक्त दबाव होगा और यश ढुल अभी युवा है ऐसे में टीम को आखिरी ओवरों में अक्षर पटेल से तेज बल्लेबाजी की उम्मीद होगी। एनरिक नोर्किया और मुस्तफिजुर रहमान जैसे विदेशी गेंदबाज राष्ट्रीय टीम को सेवाएं देने के कारण इस मुकाबले में चयन के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। दिल्ली के तेज गेंदबाजी विभाग में भारत के अच्छे खिलाड़ियों की कमी है। खलील अहमद पीठ के ऑपरेशन के बाद वापसी कर रहे हैं जबकि इशांत शर्मा अब पहले जैसे धारदार गेंदबाज नहीं रहे। अक्षर और कुलदीप यादव की आठ ओवर की स्पिन गेंदबाजी टीम के लिए काफी अहम होगी।

लखनऊ को राहुल के साथ पारी का आगाज करने वाले का चयन के लिए काफी सोच विचार करना होगा। टीम को शुरुआती दो मैचों में अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक की कमी खलेगी जो राष्ट्रीय टीम को सेवाएं देने के कारण देर से भारत आएंगे। ऐसे में राहुल के साथ वेस्टइंडीज के काइल मायर्स या दीपक हुड्डा पारी का आगाज कर सकते है। मायर्स ने वेस्टइंडीज के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है जबकि हुड्डा भी भारत के लिए सलामी बल्लेबाज के तौर पर शतक जड़ चुके है। टीम की तेज गेंदबाजी में पैनापन की कमी दिख रही है। पिछले साल शानदार प्रदर्शन करने वाले मोहसिन खान चोट के कारण शुरुआती मैचों के लिए बाहर हैं। मार्क वुड भी अकसर चोटिल होते रहते है ऐसे में आवेश खान और जयदेव उनादकट पर जिम्मेदारी होगी। टीम की सबसे बड़ी ताकत हालांकि हरफनमौला खिलाड़ियों की सूची है। भारत के हुड्डा, क्रुणाल पांड्या, कृष्णप्पा गौतम, प्रेरक मांकड़ के साथ टीम में मार्कस स्टोइनिस, डेनियल सैम्स, मायर्स और रोमारियो शेफर्ड जैसे अंतरराष्ट्रीय हरफनमौला खिलाड़ी मौजूद है। स्पिन विभाग में रवि बिश्नोई के साथ अनुभवी भारतीय गेंदबाज अमित मिश्रा जैसे खिलाड़ी होंगे।

टीमें:दिल्ली कैपिटल्स: डेविड वार्नर (कप्तान), पृथ्वी साव, मिशेल मार्श, मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, रिले रोसौव, सरफराज खान , फिल सॉल्ट , अभिषेक पोरेल , अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, ललित यादव, रिपल पटेल , इशांत शर्मा, चेतन सकारिया, खलील अहमद, अमन हकीम खान, प्रवीण दुबे, कमलेश नागरकोटी, यश ढुल, मुकेश कुमार, विक्की ओस्तवाल।

लखनऊ सुपर जायंटस: लोकेश राहुल (कप्तान), काइल मायर्स, दीपक हुड्डा, कुणाल पांड्या, अमित मिश्रा, निकोलस पूरन , नवीन उल हक, आयुष बडोनी, आवेश खान, करण शर्मा, युद्धवीर चरक, यश ठाकुर, रोमारियो शेफर्ड, मार्क वुड , स्वप्निल सिंह, मनन वोहरा, डेनियल सैम्स, प्रेरक मांकड़, कृष्णप्पा गौतम, जयदेव उनादकट, मार्कस स्टोइनिस, रवि बिश्नोई, मयंक यादव।

मैच भारतीय समयानुसार शाम 07:30 बजे शुरू होगा।

पंत कोई जल्दबाजी ना करे: वार्नर

लखनऊ। दिल्ली कैपिटल्स के मौजूदा सत्र के कप्तान डेविड वार्नर ने शुक्रवार को कहा कि टीम चाहती है कि नियमित कप्तान ऋषभ पंत चोट से उबरने मे अपना पूरा समय ले और किसी तरह की जल्दबाजी ना करे। विकेटकीपर बल्लेबाज पंत दिसंबर मे कार दुर्घटना से गंभीर रूप से चोटिल हो गए थे। वह चोट से उबर रहे है और इस सत्र से बाहर हो गए है। वार्नर ने लखनऊसुपर जायंट्स के खिलाफ शनिवार को खेले जाने वाले टीम के शुरुआती मुकाबले की पूर्व संध्या पर कहा, वह यथासंभव हमारा समर्थन करने के लिए उत्सुक है। मुझे यकीन है कि वह स्टेडियम मे आकर हमारे मैचो को देखना चाहेगे। लेकिन हम चाहते है कि वह चोट से उबरे और पूरा आराम कर जल्दी से स्वस्थ होने पर ध्यान दे। वार्नर ने टीम मे उप-कप्तान के रूप मे अक्षर पटेल की भूमिका के बारे मे भी बात की। अक्षर को टीम के सभी खिलाड़ियों के बारे मे काफी जानकारी है। वह गेदबाजो को जानकारी देने और भाषा की बाधा से निपटने मे भी मेरी मदद करेगा। इस सलामी बल्लेबाज ने कहा कि 2019 के बाद पहली बार घर और बाहर के प्रारूप मे टूर्नामेंट की वापसी से टीमो को घरेलू मैदान का फायदा होगा। आपको अपने घरेलू मैदान पर विवेट को समझने का मौका मिलता है। इसके साथ ही आपके प्रशंसको का भी साथ मिलता है , जो हौसला बढ़ाते है।

चोटिल जसप्रीत बुमराह की जगह संदीप वारियर मुंबई इंडियन्स की टीम में शामिल

मुंबई इंडियंस ने इंडियन प्रीमियर लीग 2023 के लिए शुक्रवार को चोटिल तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जगह संदीप वारियर को टीम में शामिल किया। बुमराह पीठ की चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। मुंबई इंडियन्स ने एक बयान में कहा, जसप्रीत बुमराह के विकल्प के तौर पर दाएं हाथ के तेज गेंदबाज संदीप वारियर मुंबई इंडियंस टीम में शामिल होंगे। 2021 में भारत के लिए पदार्पण करने वाले संदीप घरेलू सर्किट में एक अनुभवी खिलाड़ी हैं जिन्होंने 200 से अधिक मैच खेले हैं जिनमें से 69 मैच टी20 प्रारूप के हैं। उन्होंने अपने करियर में अब तक सभी प्रारूपों में 362 विकेट लिए हैं। टीम ने कहा, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ टीम के आईपीएल 2023 के पहले मैच से पूर्व संदीप मुंबई इंडियंस टीम से जुड़ जाएंगे। वारियर ने 66 प्रथम श्रेणी, 69 लिस्ट ए और 98 टी20 मुकाबले खेले हैं जिसमें उन्होंने क्रमश: 217, 83 और 62 विकेट लेकर चटकाए हैं। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ जुलाई 2021 में कोलंबो में टी20 प्रारूप में भारत के लिए पदार्पण किया। उन्होंने 2020 में तमिलनाडु जाने से पहले घरेलू क्रिकेट में केरल का प्रतिनिधित्व किया। मुंबई इंडियंस दो अप्रैल को बेंगलुरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा।

आरसीबी को शुरुआती मैचों नहीं मिलेगा हेजलवुड का साथ

मेलबर्न। रॉयल चैलेजर्स बेगलोर (आरसीबी) के ऑस्ट्रेलियाई तेज गेदबाज जोश हेजलवुड एडी की चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पहले चरण मे नही खेल पाएंगे।हेजलवुड 14 अप्रैल को भारत आएंगे लेकिन वह महीने के तीसरे सप्ताह तक ही पूर्ण फिटनेस हासिल कर पाएंगे। ऐसे मे टीम को शुरुआती सात मैचो मे उनके बिना मैदान पर उतरना होगा। उनके ऑस्ट्रेलियाई साथी ग्लेन मैक्सवेल का दो अप्रैल को बेगलुरु मे मुंबई इंडियंस के खिलाफ आरसीबी के शुरुआती मैच मे खेलना संदिग्ध है। वह पैर मे प्रैक्चर से उबर गए है लेकिन मैच फिटनेस हासिल नही कर सके है। हेजलवुड ने द एज से कहा, सब कुछ योजना के अनुसार चल रहा है, इसलिए मै 14 तारीख (अप्रैल) को जाऊंगा, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि मेरे लिए अगले दो सप्ताह कैसे रहते है।

प्रज्जवल, मुकुंद को हराकर एकल सेमीफाइनल में

मैसुरु। भारत के एस डी प्रज्जवल देव ने शुक्रवार को यहां हमवतन मुकुंद शशिकुमार को।-6, 7-5, 7-6 (4) से हराकर आईटीएफ मैसुरु ओपन के एकल सेमीफाइनल में प्रवेश किया। स्थानीय खिलाड़ी प्रज्जवल की विश्व रैंकिंग 1027 हैं और उन्होंने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए चौथी वरीयता प्राप्त मुकुंद को हराकर बड़ा उलटफेर किया। मुकुंद की विश्व रैंकिंग 401 है। मुकुंद ने पहले सेट को 6-। से अपने नाम किया और ऐसा लग रहा था कि वह आसानी से जीत जाएगे। लेकिन इसके बाद प्रज्जवल ने उन्हें कड़ी टक्कर दी और अगले दोनों सेट जीत कर मुकाबला अपने नाम किया। प्रज्वल ने लगभग तीन घंटे तक चले मुकाबले में खुद पर दबाव को हावी नहीं होने दिया। सेमीफाइनल में प्रज्जवल का सामना जॉर्ज लोफगेन से होगा।

राणा टीम पर कोच चंद्रकांत के प्रभाव को देखकर उत्साहित

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कार्यवाहक कप्तान नीतीश राणा ने शुक्रवार को कहा कि वह भारतीय घरेलू क्रिकेट की शानदार जानकारी के कारण टीम पर चंद्रकांत पंडित के प्रभाव को देखकर उत्साहित हैं। पंडित पिछले कुछ वर्षों में भारतीय घरेलू क्रिकेट में सबसे प्रसिद्ध कोच रहे है। उन्हें इस सत्र से पहले ब्रैंडन मैकुलम की जगह केकेआर का मुख्य कोच बनाया गया है। मुंबई और विदर्भ को कई बार रणजी ट्रॉफी का विजेता बनाने वाले कोच पंडित की देखरेख में मध्य प्रदेश ने पिछले साल इस खिताब को जीता था। इंडियन प्रीमियर लीग में पंजाब किंग्स के खिलाफ शनिवार को खेले जाने वाले अपने शुरुआती मुकाबले की पूर्व संध्या पर राणा ने कहा, मैं सत्र के लिए बहुत उत्साहित हूं। चंदू सर के क्रिकेट से संबंधित जो भी सिद्धांत हैं, वे हम जैसे घरेलू क्रिकेट खेल चुके खिलाड़ियों से मेल खाते है। खासकर भारतीय खिलाड़ियों से। राणा नियमित कप्तान श्रेयस अय्यर की अनुपस्थिति में केकेआर का नेतृत्व करेंगे। अय्यर पीठ के निचले हिस्से में बार-बार उभरने वाली चोट के कारण पूरे सत्र से बाहर हो सकते हैं।

माने, नरवाल ने बाकू विश्व कप टीम में जगह बनाई

नई दिल्ली। शाहू तुषार माने और शिव नरवाल को भोपाल विश्व कप में अच्छे प्रदर्शन की बदौलत अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) के बाकू में आठ से 15 मई तक होने वाले राइफलापिस्टल विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह मिली है। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने आगामी टूर्नामेंट के लिए 22 सदस्ईय भारतीय टीम की घोषणा की जो वर्ष का पांचवां आईएसएसएफ विश्व कप चरण होगा। भोपाल में हाल ही में विश्व कप के तीसरे चरण का सफल आयोजन किया गया। चौथा चरण 11 अप्रैल से पेरू के लीमा में आयोजित किया जाएगा जहां भारत ने भाग नहीं लेने का फैसला किया है। पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में माने और पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में नरवाल भोपाल विश्व कप की टीम में नए नाम हैं। माने ने केवल रैंकिंग अंक के लिए खेलते हुए भोपाल में 630.7 का ठोस स्कोर करने के बाद नवीनतम रैंकिंग में दिव्यांश सिंह पंवार को पछाड़कर शीर्ष तीन में जगह बनाई।

सिंधू सेमीफाइनल में, श्रीकांत बाहर

- मैड्रिड स्पेन मास्टर्स

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू शुक्रवार को यहां मैड्रिड स्पेन मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल सेमीफाइनल में पहुंच गई जबकि हमवतन किदांबी श्रीकांत हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। सिंधू ने दुनिया की 19वें नंबर की खिलाड़ी डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट को 21-14 21-17 से हराकर 2023 में पहली बार सेमीफाइनल में जगह बनाई।

श्रीकांत पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त जापान के केंटा निशिमोटो से 18-21 15-21 से हार गए। दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधू लंबे समय तक चोट के कारण बाहर रहने के बाद वापसी करते हुए लय हासिल करने के लिए जूझ रही थी। यह 27 वर्षीय खिलाड़ी विश्व रैंकिंग में शीर्ष 10 से बाहर हो गई है और इससे पहले अब तक 2023 में पिछले कुछ टूर्नामेंटों में दूसरे दौर की बाधा को भी पार नहीं कर पा रही थी। सिंधू दूसरे गेम में अधिकांश समय पीछे चल रही थीं लेकिन 6-12 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए सीधे गेम में जीत दर्ज करने में सफल रहीं। इस सुपर 300 टूर्नामेंट में बची एकमात्र भारतीय खिलाड़ी सिंधू फाइनल में जगह बनाने के लिए सिंगापुर की गैर वरीयता प्राप्त यिओ जिया मिन से भिड़ेंगी। इससे पहले विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी और पांचवीं वरीयता प्राप्त श्रीकांत ने कड़ी चुनौती पेश की लेकिन प्रदर्शन में निरंतरता की कमी के कारण उन्हें जापान के खिलाड़ी के खिलाफ तीसरी हार का सामना करना पड़ा।

न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को छह विकेट से हराकर वनडे श्रृंखला 2-0 से जीती

वेलिंगटन। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद विल यंग की 86 रन की नाबाद पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को यहां तीन मैचों की श्रृंखला के आखिरी एकदिवसीय में श्रीलंका को 103 गेंद शेष रहते छह विकेट से शिकस्त दी। यंग ने 113 गेंद में 11 चौके जड़ति नाबाद पारी के दौरान हेनरी निकोल्स (नाबाद 44) के साथ पांचवें विकेट के लिए 100 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को श्रृंखला में 2-0 की जीत दिला दी। न्यूजीलैंड ने श्रृंखला के पहले मैच को 198 रन से जीता था जबकि दूसरा मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था। शुक्रवार को श्रीलंका की पारी को 41.3 ओवर में 157 रन पर समेटने के बाद न्यूजीलैंड ने 32.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने भी दूसरे ओवर में छह रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। लहिरू कुमारा (39 रन पर दो विकेट) ने चैड बॉवेस (एक रन) और टॉम ब्लंडेल (चार रन) के विकेट चटकाकर श्रीलंका अच्छी शुरुआत दिलाई।

डिप्लोमा कर रही महिला पर आपत्तिजनक वीडियो बनाने का मामला दर्ज

- साइ ने भी बनाई आंतरिक समिति

बेंगलुरु। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के इस शहर स्थित परिसर में वॉलीबॉल कोचिंग में डिप्लोमा कर रही एक महिला के खिलाफ अपने सहपाठी का आपत्तिजनक वीडियो बनाने के आरोप में एक मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। साइ के अधिकारियों ने मामला सामने आने के बाद आरोपी को निलंबित कर दिया और मल्लथाहल्ली स्थित डिप्लोमा छात्रा हॉस्टल में अनुशासनात्मक उल्लंघन की जांच के लिए एक आंतरिक समिति का गठन किया है। ताइक्वांडो कोचिंग में डिप्लोमा कर रही पीडति ने साइ अधिकारियों और ज्ञानभारती पुलिस में दर्ज अपनी शिकायत में कहा कि 28 मार्च की रात को जब वह स्नान कर रही थी तो उसने महसूस किया कि कोई उसका वीडियो रिकॉर्ड कर रहा है।

हॉकी इंडियान ने राष्ट्रीय शिविर के लिए 39 खिलाड़ियों के नामों की घोषणा की

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने शनिवार से साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण) बेंगलुरू केंद्र में शुरू हो रहे राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 39 सदस्ईय पुरुष कोर समूह की घोषणा की। आम तौर पर राष्ट्रीय टीम का चयन कोर समूह में शामिल खिलाड़ियों में से होता है। यह शिविर यूरोप दौरे से पहले 21 मई तक चलेगा। टीम इसके बाद एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2022-2023 सत्र के शेष मैचों में बेल्जियम, ग्रेट ब्रिटेन, नीदरलैंड और अर्जेंटीना से भिड़ने के लिए यूरोप रवाना होगी। कोर टीम अंतरिम कोच डेविड जॉन, बीजे करियप्पा और शिवेंद्र सिंह को रिपोर्ट करेगी। हाल ही में राउरकेला में मौजूदा विश्व चैंपियन जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ प्रभावशाली जीत के बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम को एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2022-23 सत्र में तालिका में शीर्ष पर है।

देश परदेश

यूक्रेन ने बूचा को बचाने का मनाया जश्न

- मुक्त कराने के एक वर्ष पूरा किया
- रूस ने नए सिरे से की बमबारी

रूस ने लंबी दूरी तक मार करने वाले अपने हथियारों से यूक्रेन के कई नए इलाकों में शुक्रवार को बमबारी की जिसमें कम से दो आम नागरिकों की मौत हो गई और कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए। रूस ने यह कार्वाई ऐसे समय की जब यूक्रेनियाई बूचा शहर को पड़ोसी देश की सेना से मुक्त कराने का एक वर्ष पूरा होने का जश्न मना रहे हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि कीव के नजदीक मौजूद बूचा शहर रूसी सेना के अत्याचार का प्रतीक है जो उसने फरवरी 2022 में शुरू सैन्य कार्वाई के दौरान किया। जेलेंस्की ने अपने टेलीग्राम चैनल पर जारी संदेश में कहा, हम कभी माफ नहीं करेंगे। हम सभी दोषियों को दंडित करेंगे। उल्लेखनीय है कि रूसी सेना ने फरवरी 2022 में यूक्रेन के खिलाफ सैन्य कार्वाई शुरू करने के कुछ सप्ताह के बाद ही बूचा पर कब्जा कर लिया था और करीब एक महीने तक यहां रही। यूक्रेन के सैनिकों ने जब इस शहर को अपने कब्जे में लिया तो उन्हें कई भयानक दृश्यों का सामना करना पड़ा क्योंकि महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों के शव सड़क, घरों में और बगीचों में पड़े हुए मिले। कई शवों को सामूहिक कब्रों में दफनाया गया। कई सप्ताह और महीनों तक चली जांच के दौरान कुछ बच्चों सहित सैकड़ों शव शहर में मिले। यूक्रेनियाई अधिकारियों द्वारा किए गए दस्तावेजीकरण के मुताबिक बूचा में 37 बच्चों सहित 1400 आम लोगों की युद्ध में मौत हुई। कि 175 लोगों के शव सामूहिक कब्रों से मिले जिन्हें कथित तौर पर यातना दी गई थी। यूक्रेन के महा अभियोजक एंड्री कोस्तीन ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि बूचा में कई गैर सैनिकों की मौत यातना से हुई थी। उन्होंने कहा कि करीब 100 रूसी सैनिक युद्ध अपराध के संदिग्ध हैं और उनमें से 35 के खिलाफ अभियोग जारी किया गया है। गौरतलब है कि यूक्रेन की अदालत पहले ही आम लोगों को आजादी से गैर कानूनी तरीके से वंचित करने और लूटपाट करने के मामले में दो रूसी सैनिकों को 12-12 साल कारावास की सजा सुना चुकी है। मैं आश्वस्त हूं कि ए सभी अपराध महज संयोग नहीं हैं। ए रूस की सुनियोजित रणनीति का हिस्सा थे जिसका उद्देश्य यूक्रेन को राज्य और यूक्रेनियों को एक देश के तौर पर खंडित करना था।

रूस अपने परमाणु हथियारों को बेलारूस में तैनात कर सकता है : राष्ट्रपति लुकशेंको

ताल्लिन (एस्टोनिया)। यूक्रेन युद्ध को लेकर तनाव के बीच बेलारूस के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लुकशेंको ने शुक्रवार को कहा कि रूसी सामरिक परमाणु हथियार बेलारूस मे भी तैनात किए जा सकते है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पिछले हफ्ते घोषणा की थी कि उनका देश बेलारूस मे सामरिक, कम दूरी और छोटे रेंज वाले परमाणु हथियारो को तैनात करने का इरादा रखता है। राष्ट्रपति लुकशेंको ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन मे परमाणु हथियारो की तैनाती का उल्लेख किया। अगर रूस हथियारो को बेलारूस मे तैनात करने की घोषणा पर आगे बढ़ता है तो क्षेत्र के लिए खतरा उत्पन्न हो सकता है। करीब 13 महीने पूर्व, रूस के यूक्रेन पर हमला करने से पहले भी बेलारूस मे रूसी सैनिको की तैनाती की गई थी। सोवियत संघ के विघटन के बाद बेलारूस के देश बनने के समय से ही लुकशेंको राष्ट्रपति पद पर बने हुए है। यूक्रेन मे संघर्ष पर बढ़ते तनाव के बीच उन्होने अपना वार्षिक भाषण दिया। लुकशेंको और पुतिन आरोप लगाते रहे है कि पश्चिमी देश रूस और बेलारूस को तबाह करना चाहते है।

पाकिस्तान के हिंदू समुदाय ने जबरन धर्मांतरण के खिलाफ प्रदर्शन किया

पाकिस्तान में अल्पसंख्यक हिंदुओं के जबरन धर्म परिवर्तन और देश में हिंदू लड़कियों एवं महिलाओं के जबरन विवाह की समस्या पर ध्यान आकर्षित करने के लिए समुदाय के कई सदस्यों ने यहां मार्च निकाला। हिंदू संगठन पाकिस्तान दारावर इत्तेहाद (पीडीआई) ने बृहस्पतिवार को कराची प्रेस क्लब के बाहर और सिंध विधानसभा भवन के प्रवेश द्वार पर विरोध प्रदर्शन किया। पीडीआई के एक सदस्य ने कहा, हम खासकर ग्रामीण इलाकों में सिंधी हिंदुओं की इस समस्या पर ध्यान आकर्षित करना चाहते थे, जहां 12-13 साल की लड़कियों का दिन-दिहाड़े अपहरण कर लिया जाता है, उन्हें इस्लाम धर्म स्वीकार करने पर मजबूर किया जाता है और फिर किसी अधिक उम्र के मुस्लिम से उनका विवाह करा दिया जाता है। बृहस्पतिवार को किए गए इस प्रदर्शन का कुछ प्रभाव देखने को मिला, क्योंकि बहुत से लोगों को इस अपराध के बारे में जानकारी भी नहीं थी। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें इस प्रदर्शन में और अधिक लोगों के शामिल होने की उम्मीद थी। प्रदर्शनकारियों से कुछ दूरी पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी खड़े रहे और प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा। प्रदर्शनकारी तख्तियां और बैनर लिए हुए थे, जिनमें सरकार से हिंदू लड़कियों और महिलाओं के जबरन धर्म परिवर्तन के खिलाफ रुके हुए विधेयक को पारित करने का आग्रह किया गया था। सिंध प्रांत के विभिन्न जिलों में हिंदू लड़कियों के अपहरण और जबरन धर्म परिवर्तन का मामला 2019 में सिंध विधानसभा में उठाया गया था।

उत्तर-पश्चिमी इंडियाना में पांच वर्षीय बच्चे के बंदूक चलाने से उसके 16 महीने के भाई की मौत

लाफाएते (अमेरिका)। उत्तर-पश्चिमी इंडियाना में पांच वर्षीय बच्चे के एक बंदूक चलाने से 16 महीने के उसके भाई की मौत हो गई। बच्चे को कथित तौर पर अपने घर में एक बंदूक मिली थी जो उसने चली दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। कैप्टन ब्रायन फिलिप्स ने बताया कि घटना मंगलवार को हुई। लाफाएट पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि घटना के समय दोनों बच्चे अपार्टमेंट में थे। पांच वर्षीय बच्चे को एक बंदूक मिली और उसने उसे अपने भाई की ओर चला दिया। जर्नल एंड कूरियर की खबर के अनुसार, टिप्पेकेनो काउंटी कोरोनर कैरी कोस्टेलो ने बताया कि बुधवार को 16 माह के बच्चे का पोस्टमार्टम किया गया जिसमें पता चला कि बच्चे को एक ही गोली लगी थी, लेकिन उसकी मौत की वजह अभी तक पता नहीं चल पाई है।

बॉलीवुड पर क्या बोलीं काजल

काफी समय से बॉलीवुड सवालों के घेरे में हैं। कभी बॉलीवुड पर जानबूझ कर हिन्दू धर्म को टारगेट करने का आरोप लगता है तो कभी हमारे इतिहास को गलत तरीके से प्रजेंट करने का। इंडस्ट्री के अंदर काम करने वाले आरोप लगाते हैं कि बॉलीवुड में नेपोटिस्म को बढ़ावा दिया जाता हैं। स्टार किड्स को आसानी से फिल्में दी जाती हैं, बड़े स्तर पर लॉन्च किया जाता है वहीं आउटसाइडर के अंदर काबिलियत होने के बाद भी काम नहीं मिलता हैं। कंगना रनौत ने तो खुलकर करण जौहर को बॉलीवुड का मूवी माफिया कहा हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने भी बॉलीवुड पर कमेंट किया हैं और वजह बताई है कि आखिर वह हिंदी फिल्मों से ज्यादा साउथ की फिल्में करना क्यों पसंद करती हैं। काजल अग्रवाल दक्षिण उद्योग में एक बड़ा नाम हैं और अभिनेत्री ने विभिन्न भाषाओं की फिल्मों में काम किया है, मुख्यतः तमिल और तेलुगु उद्योगों में। वह हिंदी फिल्म उद्योग का भी हिस्सा रही हैं और उन्होंने बॉलीवुड की कई फिल्में भी की हैं। स्पेशल 26 में उनके अभिनय की सभी ने प्रशंसा की थी। एक्ट्रेस ने बताया कि हिन्दी फिल्मों को भले ही बड़े स्तर पर स्वीकार किया जाता है लेकिन उनमें ईको-सिस्टम, नैतिकता, मूल्यों, अनुशासन की कमी होती हैं। एक्ट्रेस ने कहा हिंदी हमारी मातृभाषा रही है। हम हिंदी फिल्में देखते हुए बड़े हुए हैं। मैं यह भी स्वीकार करती हूं कि बॉलीवुड मुझपर मेहरबान भी रहा हैं लेकिन मैं दक्षिण उद्योग के ईको-सिस्टम, नैतिकता, मूल्यों, अनुशासन को पसंद करती हूं, मुझे लगता है कि हिंदी सिनेमा में इन चीजों की कमी है। उन्होंने कहा कि यहां (साउथ में) आपको कई तरीके की फिल्में और रोल मिलते हैं, साथ ही यहां वर्क एथिक की बहुत अहेमियत है, फिर चाहे आप कितने भी बड़े स्टार हों। काजल ने भी दक्षिण उद्योग की प्रशंसा की और कहा, दक्षिण निश्चित रूप से बहुत स्वीकार्य है। इसमें किसी भी तरह का कोई शॉर्टकट नहीं है। कड़ी मेहनत करनी होती हैं। सफलता को पाने का भी आसान तरीका नहीं है। उन्होंने आगे कहा, ऐसे बहुत से लोग हैं जो हिंदी में अपना करियर शुरू करना चाहते हैं।

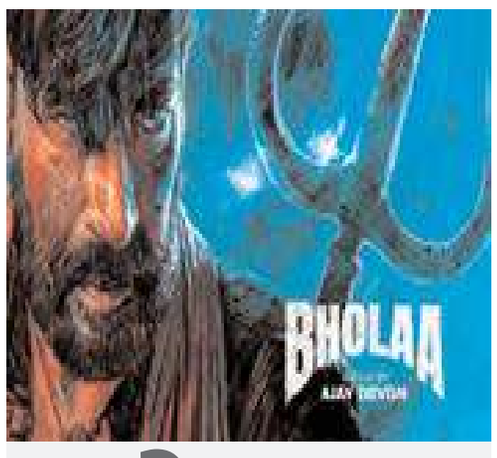

भोला

कलाकार- अजय देवगन , तब्बू , दीपक डोबरियाल , विनीत कुमार , किरन कुमार , गजराज राव , अमला पॉल , संजय मिश्रा और अभिषेक बच्चन

लेखक- आमिल कीयान खान , अंकुश सिंह , संदीप केवलानी और श्रीधर दुबे (लोकश कनगराज की लिखी 'कैथी' पर आधारित)

निर्देशक- अजय देवगन

निर्माता- अजय देवगन , भूषण कुमार , कृष्ण कुमार , एस आर प्रकाशबाबू और एस आर प्रभु आदि

अभिनेता के रूप में अजय देवगन ने जो अपना प्रशंसक वर्ग बनाया है, उसकी टक्कर का प्रशंसक वर्ग हिंदी सिनेमा में उनके समकालीन अभिनेताओं में सिर्फ शाहरुख खान का ही बचा है। शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' ने साल के शुरू में ही ये जता दिया कि हिंदी सिनेमा के दर्शक भी अब अपने बीच के सितारों को खतरनाक एक्शन और दिल दहला देने वाले स्टंट करते देखना चाहते हैं। बीते हफ्ते रिलीज हुई 'जॉन विक 4' को भारत में मिली करिश्माई ओपनिंग ने भी इस संकेत को दोहराया। अपनी पिछली फिल्म 'दृश्यम 2' में रीमेक के राजा बने अजय देवगन ने इस फिल्म के निर्देशक अभिषेक पाठक से अगर कुछ सीखा होता तो फिल्म 'भोला' एक कमाल की फिल्म बन सकती थी। लोकेश कनगराज की सुपरहिट फिल्म 'कैथी' की इस हिंदी रीमेक का जब पहला टीजर थ्रीडी में सिनेमाघर में दिखाया गया तो वहां अजय देवगन भी मौजूद थे। मैंने उनसे पूछा कि फिल्म उन्होंने थ्रीडी में शूट की है या टूडी में शूट करके इसे थ्रीडी में बदला गया है? अजय देवगन का जवाब था, 'अब थ्रीडी में कहां शूट होती हैं फिल्में?' वैसे फिल्म 'भोला' को थ्रीडी में रिलीज करने की जरूरत फिल्म देखने के बाद महसूस नहीं होती। और, फिल्म की मूल कहानी में जो फेरबदल अजय देवगन ने इसकी हिंदी रीमेक में किए हैं, जरूरत उनकी भी महसूस नहीं होती। फिल्म 'भोला' का सार वही है जो फिल्म 'कैथी' का है। 10 साल बाद जेल से छूटा एक कैदी अनाथालय में पल रही अपनी बेटी से मिलने के लिए निकलता है तो रास्ते में उसे पुलिस उठा लेती है। इलाके के सारे पुलिसवाले एक बड़े अफसर की रिटायरमेंट पार्टी में शरीक होने आते हैं। वहां पुलिस का वह जत्था भी पहुंचता है जिसने उसी दिन 1000 करोड़ रुपये का नशे का सामान जब्त किया है। नशीले पदार्थों की तस्करी करने वालों को पुलिस का ही एक बड़ा अफसर कमीशन के लालच में इसका ठिकाना बताने का सौदा करता है। सौदा तय होते ही पार्टी में बंट रही शराब में एक घातक रसायन मिला दिया जाता है। सारे पुलिस अधिकारी व कर्मचारी मरणासन्न हो जाते हैं। सिवाय फिल्म की हीरोइन के। उसने एंटीबॉयोटिक ले रखी है सो शराब नहीं पी सकती। जेल से छूटे कैदी को इन सभी को नजदीकी अस्पताल पहुंचाने की जिम्मेदारी मिलती है। वह ट्रक लेकर निकलता है तो रास्ते भर उन पर हमले होते रहते हैं। वजह है ट्रक में मौजूद महिला पुलिस अफसर और उसकी वह टीम जिसने मादक पदार्थों का जखीरा जब्त किया है। उनको मार कर लाने वालों के लिए मोटी रकम का खुला एलान हो चुका है और सूबे का हर गिरोह इसे हासिल करना चाहता है। इस पूरे घटनाक्रम में भूगोल उत्तर प्रदेश के लालगंज और ऊंचाहार का है और फिल्म देखकर साफ पता चलता है कि इसे बनाने वालों में से शायद ही किसी ने कभी लखनऊ के इस निकटवर्ती इलाके में कदम भी रखा हो। फिल्म 'कैथी' की मूल आत्मा फिल्म 'भोला' से गायब है। एक देहाती किस्म का इंसान यहां स्टाइलिश बदमाश बन जाता है। मूल फिल्म में न तो इस इंसान की पृष्ठभूमि का खुलासा किया गया है और न ही उसकी प्रेम कहानी के बारे में ही बात होती है। एक रहस्यमयी इंसान के पुलिस की मदद करने की कहानी फिल्म 'भोला' में रहस्यमयी नहीं रहती। फिल्म शुरू होते ही राय लक्ष्मी के आइटम नंबर के चक्कर में पटरी से उतर जाती है। जिन लोगों ने हाल ही में रिलीज 'जॉन विक 4' देखी होगी, उन्हें फिल्म 'भोला' उस फिल्म का सस्ता हिंदी संस्करण लग सकती है।

ग्लैमरस तस्वीरों के साथ जेनिफर की सोशल मीडिया पर जबरदस्त वापसी

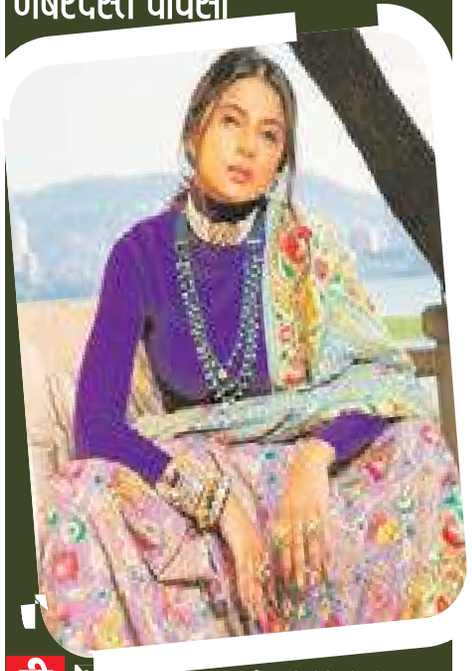

टीवी इंडस्ट्री की टॉप की अभिनेत्रियों में शुमार जेनिफर विंगेट लंबे समय के बाद सोशल मीडिया पर वापस लौट आई हैं। इतना ही नहीं अभिनेत्री ने अपनी कुछ धांसू तस्वीरें भी शेयर की है। ग्लैमरस तस्वीरों के साथ जेनिफर की सोशल मीडिया की वापसी की खबर ने उनके फैंस के दिन को हसीन बना दिया है। अभिनेत्री की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर छा गयी हैं। लोगों द्वारा इन्हें काफी पसंद भी किया जा रहा है। जेनिफर विंगेट ने हाल ही में फेस मैगज़ीन के लिए फोटोशूट कराया था, जिसकी ढेर सारी तस्वीरें उन्होंने गुरुवार को सोशल मीडिया पर शेयर की। इन तस्वीरों में से एक में अभिनेत्री लहंगा पहने हुए नजर आ रही है। दूसरी तस्वीर में जेनिफर मल्टीकलर की प्लाज़ो और डीप नैक ड्रेस में पहने दिखाई दे रही हैं। इसके अलावा एक तस्वीर में अभिनेत्री हाई-नैक ब्लाउज और बूट्स के साथ साड़ी पहने नजर आ रही हैं। जेनिफर के तीनों ही लुक काफी ग्लैमरस लग रहे हैं और उनकी अदाएं दिखाने तक के लिए सिमित नहीं है।

टीवी पर काम करने से मुझे कोई परहेज नहीं : सुनील ग्रोवर

टीवी पर कुछ सितारों ने ऐसे किरदार निभाए हैं जिसे दर्शक शायद ही कभी भूल सकते हैं। कॉमेडियन-अभिनेता सुनील ग्रोवर उनमें से ही एक कलाकार हैं जिन्होंने अपने द्वारा निभाए गये किरदार को लोगों के दिलों में बसा दिया। कुछ उन्हें गुत्थी के रूप में याद करते हैं, तो कुछ उनके डॉ मशहूर गुलाटी के अवतार से प्यार करते हैं। कई लोग आज भी रिंकू भाभी की क्लिप देखकर ठहाके लगाते हैं। सुनील ग्रोवर ऐसे कॉमेडियन हैं जिसने स्टेज पर आते ही सना बंध जाता था। कॉमेडियन-अभिनेता सुनील ग्रोवर इंडस्ट्री में कोई नया नाम नहीं हैं और उन्होंने कॉमेडी नाइट्स विद कपिल और द कपिल शर्मा शो जैसे शो के साथ अपने असाधारण अभिनय को साबित किया है। हालांकि सुनील ग्रोवर अब कॉमेडी शोज का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन उनके किरदार को आज भी फैंस काफी पसंद करते हैं। सुनील अब एटली के निर्देशन में बन रही जवान में शाहरुख खान के साथ नजर आने की तैयारी कर रहे हैं। जब वह अपनी फिल्मों के लिए कमर कस रहे थे, तब एक समाचार पोर्टल ने हाल ही में उनसे संपर्क किया, ताकि उनकी टेलीविजन पर वापसी की योजना के बारे में पता चल सके। टेलीविजन को अपनी सफलता का श्रेय देते हुए, सुनील ग्रोवर ने पिंकविला को बताया, टेलीविजन एक बहुत बड़ा माध्यम है, और मैं टेलीविजन की वजह से ही सब कुछ हूं। मैं वास्तव में टेलीविजन पर कुछ करने को तैयार हूं, और अगर कुछ दिलचस्प पेशकश की जाती है तो मैं निश्चित रूप से इसे करूंगा। इस बीच 45 वर्षीय अभिनेता सुनील ग्रोवर बैक-टू-बैकअपने आने वाले प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं। वर्तमान में वह यूनाइटेड कच्चे नामक अपने आगामी वेब शो पर काम कर रहे हैं। मानव शाह द्वारा निर्देशित, 8-एपिसोड की वेब सीरीज यूनाइटेड किंगडम में शूट की गई है। कहानी लंदन में अप्रवासियों के चुनौतीपूर्ण जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। सुनील ग्रोवर के अलावा, हल्के-फुल्के ड्रामा में सतीश शाह, सपना पब्बी, निखिल विजय, मनु ऋषि चड्ढा, नयनी दीक्षित और नीलू कोहली महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। यूनाइटेड कच्चे अपनी आखिरी सफल सीरीज सनफ्लावर के बाद ज़ी5 पर सुनील ग्रोवर की वापसी को चिन्हित करेगा। इससे पहले मीडिया से बात करते हुए, सुनील ग्रोवर ने साझा किया कि वह ज़ी5 के साथ फिर से यूनाइटेड कच्चे के लिए इस उम्मीद और प्रत्याशा के साथ साझेदारी करके खुश हैं कि उनके दर्शक उनकी नई श्रृंखला को भी बहुत प्यार करेंगे। श्रृंखला के शीर्षक के बारे में बात करते हुए, सुनील ने कहा था, सबसे पहले, श्रृंखला लंदन पर आधारित है और इसलिए, हमने शो के रूप और अनुभव को यथासंभव प्रामाणिक रखने के लिए यूके में बड़े पैमाने पर शूटिंग की।

दशहरा

कलाकार- नानी , कीर्ति सुरेश , दीक्षित शेट्टी और साई कुमार

लेखक- श्रीकांत ओडेला , जे ला श्रीनाथ , अर्जुन पाटुरी और वामसी कृष्णा पी.

निर्देशक- श्रीकांत ओडेला

निर्माता- सुधाकर चेरुकुरी

एस एस राजामौली की फिल्म 'मक्खी' के बाद साउथ सिनेमा के नेचुरल स्टार कहे जाने वाले नानी अपनी फिल्म दशहरा के माध्यम से एक बार फिर हिंदी भाषी दर्शको के समक्ष आए हैं। एस एस राजामौली की सबसे लोकप्रिय फिल्मों में से एक ईगा हिंदी में मक्खी के नाम से साल 2012 में रिलीज हुई थी। वैसे नानी टीवी पर साउथ की डबिंग फिल्में देखने वाले दर्शको के बीच अच्छे खासे चर्चित हैं। शाहिद कपूर की फिल्म 'जर्सी' इन्हीं नानी की इसी नाम की तेलुगू फिल्म की रीमेक थी। फिल्म 'दशहरा' की कहानी गोधवारीखानी के वीरलापल्ली गांव की है। जहां लोग शराब पीते रहते हैं। बिना शराब के उनकी जिंदगी बेहाल है। व कोयले की खान में काम करते हैं और इसके लिए उन्हें लगता है कि शराब पीना जरूरी है. उसी गांव में तीन दोस्त रहते हैं धरनी, सूरी और वेनेला। धरनी और सूरी दोनों वेनेला से प्यार करते हैं। धरनी को पता चलता है कि उसका दोस्त सूरी भी वेनेला से प्यार करता है, तो दोस्त के खातिर अपने प्यार को कुर्बान कर देता है। गांव में दो गुटों के बीच राजनीति भी हो रही है। इस वजह से इन तीनों की जिंदगी कैसे बदलती है, औरधरनी को कैसे अपना प्यार हासिल होता है, यही फिल्म की कहानी है। पिछले कुछ वर्षो में साउथ की फिल्में जब से डब होकर अखिल भारतीय स्तर पर रिलीज होनी शुरू हुई हैं और उन्हें सफलता मिलनी शुरू हुई, तब से साउथ के हर बड़े स्टार को लगने लगा है कि इस बहती हुई गंगा में डुबकी लगा लेना चाहिए। शायद इसी सोच के तहत नानी ने भी अपनी फिल्म दशहरा को पैन इंडिया स्तर पर रिलीज करने की सोची और इसे प्रमोट करने के लिए कई हिंदी भाषी शहरों में भी गए। कहते हैं कि फिल्म का हिंदी ट्रेलर भी उन्होंने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में रिलीज किया था। अब सवाल यह उठता है कि क्या यह फिल्म 'बाहुबली', 'केजीएफ', 'पुष्पा' और 'कांतारा' के डब हिंदी संस्करणों जैसा जादू चला पाएगी क्योंकि इस फिल्म को देखने के बाद यूं लगता है कि इसके मेकर्स 'केजीएफ' और 'पुष्पा' का कॉकटेल बनाकर ले आएं। फिल्म के निर्देशक श्रीकांत ओडेला की दशहरा पहली फिल्म है। इस फिल्म में शराब व्यापार, गांव की राजनीति, जाति पाति, दोस्ती और प्रेम कहानी का कॉकटेल बनाने के चक्कर में फिल्म को एक सही दिशा ले जाने असमर्थ रहे है। दशहरा के म्यूजिक लांच में जब फिल्म की पूरी टीम मुंबई आई थी, तो नानी ने कहा था कि फिल्म ग्रामीण पृष्ठभूमि पर है इसलिए फिल्म में सबके कॉस्ट्यूम पुष्पा से मिलते जुलते हैं। फिल्म देखते समय उनकी यही बात बार बार याद आती रहती है। बाहुबली में प्रभास की हिंदी में डबिंग करने वाले शरद केलेकर ने इस फिल्म में नानी के लिए डबिंग की है। लेकिन फिल्म में नानी का जिस तरह का किरदार है, वैसे किरदार पर शरद केलेकर की आवाज फिट नहीं बैठती है। यही फिल्म की सबसे कमजोर कड़ी है। हालांकि पहनावे से लेकर बॉडी लैंग्वेज तक नानी ने धरनी की भूमिका में बेहद सावधानी बरतने की कोशिश की है। फिल्म में नानी का एक्शन अवतार देखने लायक है। फिल्म की नायिका कीर्ति सुरेश, दीक्षित शेट्टी ने भी शानदार काम किया है। यह फिल्म पूरी तरह से टिपिकल साउथ इंडियन फिल्म है। पूरी फिल्म में जबरदस्त एक्शन सीन है जिस पर काफी मेहनत भी की गई है। हालांकि कुछ एक्शन ऐसे हैं, जो बहुत ही वीभत्स लगते हैं। फिल्म के निर्देशक श्रीकांत ओडेला ने एक अच्छी फिल्म बनाने की कोशिश की है, लेकिन उन्हें फिल्म की कहानी और पटकथा पर थोड़ी सी और मेहनत करने की जरुरत थी। नानी के इमोशनल सीन में वह भाव निकल कर नहीं आते हैं, इसकी वजह शरद केलेकर की भारी भरकम आवाज है। हिंदी पट्टी में फिल्म 'दशहरा' अजय देवगन की फिल्म 'भोला' के साथ रिलीज हुई है। दोनों में एक्शन की भरपार है, बाकी सब कुछ इसमें भी हाशिये पर है।

मर्डर मिस्ट्री 2

कलाकार- एडम सैंडलर , जेनिफर एनिस्टन , मार्क स्ट्रॉन्ग , मेलेन लॉरेंट , अदील अख्तर और कुहू वर्मा आदि

लेखक- जेम्स वेंडरबिल्ट

निर्देशक- जेरेमी गेयरलिक

निर्माता- एडम सैंडलर , जेनिफर एनिस्टन , ट्रिप विनसन , जेम्स डी स्टर्न , जेम्स वेंडरबिल्ट , ए जे डिक्स और एलेन कोवर्ट

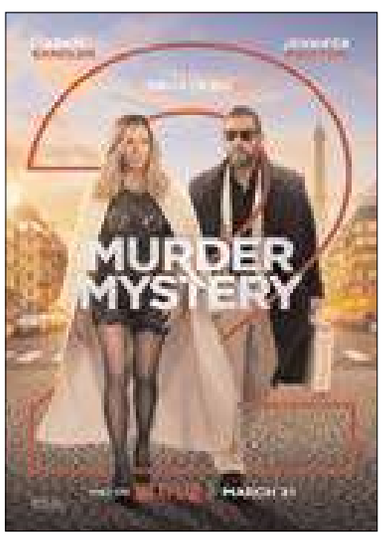

नेटफ्लिक्स हैरान है। परेशान है। भारत ही नहीं, अफ्रीका, अरब और दूसरे देशों में भी ग्राहक संख्या बढ़ाने का उस पर हर तरफ से दबाव है। और, दबाव ज्यादा हो तो अक्सर मेहनत से फुलाया गुब्बारा फूट ही जाता है। ऐसा ही कुछ इन दिनों नेटफ्लिक्स के साथ हो रहा है अमेरिका के बाहर के बाजारों में। इन बाजारों के ग्राहकों की पसंद, नापसंद की नब्ज परखने वालों के बिना नेटफ्लिक्स प्रबंधन तीर और तुक्का दोनों मार रहा है। निशाने पर लग गया तो ठीक नहीं तो शेयरधारकों के लिए और झुनझुना तैयार हो ही जाएगा। फिल्म 'मर्डर मिस्ट्री 2' भी ऐसा ही एक तुक्का है और ये निशाने पर तो बिल्कुल ही नहीं लगा है। इस फिल्म को देखने के लिए आपको इसकी पहली कड़ी फिल्म 'मर्डर मिस्ट्री' देखने की जरूरत नहीं है क्योंकि ये सीक्वल शुरू ही होती है पिछली फिल्म के सारांश से। फिर भी जिनको नहीं पता है, उनको बताना ठीक रहेगा कि फिल्म फिल्म 'मर्डर मिस्ट्री' में लोकप्रिय कलाकारों एडम सैंडलर और जेनिफर एनिस्टन ने निक और ऑड्री स्पिट्ज की भूमिका निभाई जो एक हत्या की तफ्तीश शुरू करते हैं तो फिर हत्याओं का ही सिलसिला शुरू हो जाता है। फिल्म 'मर्डर मिस्ट्री 2' का डीएनए भी यही हैं। बस इस बार फिल्म की शुरुआत छम्मा छम्मा से लेकर तमाम पंजाबी गानों और हिंदी फिल्मों में दिखने वाली रईसों की शादियों जैसे दृश्यों से होती है। निक और ऑड्री जब नामी जासूस बनने के लिए जरूरी इम्तिहान की तैयारी कर रहे होते हैं तो पिछली फिल्म में मिले महाराजा का उनको फोन आता है। दोनों को शादी के लिए फ्री की हेलीकॉप्टर यात्रा, फ्री के आईफोन और ढेर सारे भारतीय परिधान और एक अनजाने से द्वीप पर शानदार विला मिलती है। मेहंदी की रस्म के बाद बारात आनी है। हाथी मंडप में पहुंचता है लेकिन उसकी पीठ पर सवार तथाकथित दूल्हा महाराजा नहीं है। और, जो दूल्हा बनकर आया है, उसकी पीठ में किसी ने छुरा घोंप दिया। 'मर्डर मिस्ट्री 2' शुरू हो चुकी है। निक और ऑड्री जितना रायता फैला सकते हैं, पूरी फिल्म में फैलाते रहते हैं लेकिन इसे समेटना न तो फिल्म के लेखक के वश में नजर आता है और न ही इसके निर्देशक के। जेम्स वेंडरबिल्ट ने एक कॉमिक थ्रिलर के जो किरदार फिल्म 'मर्डर मिस्ट्री' में सोचे थे, वे बहुत जाने पहचाने और अपने आसपास के ही दिखते हैं। इन किरदारों को कमोबेश लोगों ने पसंद भी किया लेकिन फिल्म 'मर्डर मिस्ट्री 2' में इन किरदारों ने खुद को मिले इस प्यार को कुछ ज्यादा ही गंभीरता से ले लिया। बजाय कहानी पर काम करने के फिल्म बनाने वालों ने इसे भव्य और आलीशान बनाने पर मेहनत ज्यादा की है। शुरू के 20 मिनट तक महाराजा की शादी में समय खर्च करने के बाद कहानी जब हत्या की तफ्तीश और महाराजा को अपहर्ताओं से छुड़ाने तक आती है, दर्शकों की रुचि ही फिल्म से खत्म होने लगती है। इसके बाद कहानी पेरिस तक आती है। साथ में एमआई 6 का एक पूर्व जासूस भी है। एक्शन, इमोशन और ड्रामा भी है लेकिन सस्पेंस अब कहानी में नहीं है। और, बिना कहानी के फिल्म 'मर्डर मिस्ट्री 2' बस आगे घिसटती सी जाती है, बिना सिर पैर की किसी फिल्म की तरह। एडम सैंडलर की कलाकारी के लोग दुनिया भर में मुरीद रहे हैं। मान्यवर टाइप शादी के लिए बनी शेरवानी में वह जंचते भी खूब हैं। जेनिफर एनिस्टन के पास खूबसूरत दिखने के अलावा बुद्धू बने रहने की भी जिम्मेदारी है। निक और ऑड्री के रूप में दोनों की आपसी कहासुनी हास्य पैदा कर पाने में विफल रहती है।

डिजाइन स्कूलों में नवाचार उत्पाद पेटेंट कराने के लिए उपयुक्त हैं

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

डिजाइन कार्यक्रम संचालित करने वाले संस्थान हमेशा नवीन अवधारणाओं और विचारों को उत्पन्न और बढ़ावा दे रहे हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी की हालिया प्रगति ने सूचना स्रोतों की पहुंच में वृद्धि की है और बाजार की तत्परता हासिल करने के लिए छात्रों के बीच अद्वितीय कौशल सेट विकसित किए हैं। ऑनलाइन स्रोतों के माध्यम से बड़े दर्शकों को प्रदर्शित करने के लिए इन संस्थानों में उत्पन्न उत्पादों के प्रलेखन के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी पहुंच की अनुमति दी गई है।

डिजाइन के संस्थान हितधारक आवश्यकताओं का व्यवस्थित अध्ययन करते हैं और रोजमर्रा के उपयोग में वस्तुओं के लिए चुनौतियों की पहचान करते हैं। विभिन्न हितधारकों से प्राप्त ये फीडबैक डिजाइन कार्यक्रम और अनुसंधान तैयार करने का आधार बनते हैं। डिजाइन विचारों की निरंतर प्रक्रिया और उपयोग कर रहे हैं।

अभिनव उत्पादों के रूप में उत्पादित ये नमूने बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए उपयुक्तता के लिए विकसित किए जाते हैं और सेवा योग्य और विपणन योग्य उद्योग के लिए तैयार उत्पाद में

डिजाइन विचारों के विकास के साथ पहचान की गई समस्याओं का समाधान आ गया है।

ये विचार उद्योग के विशेषज्ञों की एक टीम को मूल्यवर्धन और इनपुट के लिए प्रस्तुत किए जाते हैं।

छात्र अब इन विचारों को नमूना समाधानों में परिवर्तित करने के लिए उपलब्ध संसाधनों जैसे नवीन निर्माण प्रयोगशालाओं और उपकरणों का परिवर्तित होते हैं।

अवधारणा से पूर्णता तक छात्रों को डिजाइन के संस्थान जो अवसर प्रदान कर रहे हैं, वह राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में एक मील का पत्थर उपलब्धि है। संस्थान-उद्योग सहयोग की सुविधा स्नातकों के लिए मार्ग प्रशस्त कर रही है जो न केवल रोजगार योग्य हैं बल्कि कल के रोजगार निर्माता बनने के लिए सुसज्जित हैं।

श्रीलंका में रामायण और सीता सर्किट हो रहा है विकसित, महाराष्ट्र के राज्यपाल से भेंट में उच्चायुक्त ने में दी जानकारी

सीताराम मेवाती - मुंबई

भारत में भगवान राम और सीता माता का एक विशेष स्थान है इसी बिंदु को ध्यान में रखते हुए श्रीलंका में भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करने हेतु श्री लंका में रामायण और सीता सर्किट विकसित किया जा रहा है ताकि पर्यटक वहां पर जाएँ. यह जानकारी भारत में श्रीलंका के उच्चायुक्त मिलिंदा मोरागोड़ा ने महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस से सदिच्छा भेंट के दौरान बताई. श्रीलंका में भारतीय रुपये में वित्तीय लेनदेन की अनुमति देने पर भी विचार किया जा रहा है ताकि भारतीय पर्यटकों को रुपये में लेनदेन हो सके.

श्रीलंका के उच्चायुक्त मिलिंडा

मोरागोड़ा ने 30 मार्च को महाराष्ट्र के राज्यपाल से उनके सरकारी आवास राज भवन में सद्भावना बैठक और कई बिन्दुओं पर चर्चा की. उच्चायुक्त ने आगे बताया की श्री लंका की सरकार में भारत से निवेश बढ़ाने के लिए हमने विदेश मंत्री श्री एस. जयशंकर और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी चर्चा कर रहे हैं.

उच्चायुक्त ने बताया कि श्रीलंका में रामायण से संबंधित कम से कम 40 प्राचीन स्थान हैं. इसके अलावा वहां पर पांच प्राचीन शिव मंदिर भी हैं। जाना जाता है त्रिंकोमाली में स्थित शिव मंदिर रावण द्वारा बनाया गया था. उन्होंने कहा कि श्रीलंका में एक बुद्ध मंदिर भी है और उसके पास ही विभीषण की पूजा की जाती है। उच्चायुक्त ने बताया कि हमारे देश के लोगों का मानना है कि भगवान बुद्ध भी श्रीलंका आए थे. श्रीलंका में भगवान गौतम बुद्ध का एक विशेष स्थान है.

ज्ञात हो की बौद्ध धर्म श्रीलंका का सबसे बड़ा और आधिकारिक धर्म है जो की थेरवाद बौद्ध धर्म से जाना जाता है. सन 2012 तक 70.2% आबादी द्वारा बौद्ध धर्म को मानती. श्रीलंकाई बौद्ध धर्म के अनुयायी बहुसंख्यक सिंहली आबादी के साथ-साथ अल्पसंख्यक जातीय समूहों में भी पाए जा सकते हैं। श्रीलंका थेरवाद बौद्ध बहुमत वाले पांच देशों में से एक है।

यहाँ यह बताना अतिशयोक्ति नहीं होगी की भारतीय पर्यटकों में श्रीलंका का एक विशेष स्थान है और दक्षिण भारत के समुद्री किनारे से सटा होने के कारण वहां के लोग पर्यटकों के अलावा व्यापार करने हेतु काफी संख्या में भारतीय लोग वहां जाते हैं.

इस बैठक में उच्चायुक्त के साथ मुंबई में श्रीलंका के मुंबई में स्थित कौंसल जनरल वाल्सन वेटोडी भी मौजूद थे।

भारतीय नौसेना के दो नौका पोत हॉलमार्क द्विपक्षीय अभ्यास हेतु श्रीलंका जायेंगे

सीताराम मेवाती

श्रीलंका के कोलंबो पोर्ट में भारत और श्रीलंका की हॉलमार्क द्विपक्षीय नौसेना अभ्यास किया जाएगा जिसे स्लिनेक्स 2023 का नाम दिया गया है. यह आयोजन 03 से 05 अप्रैल 2023 को किया जायेगा. भारत और श्रीलंका की नौसेनाओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम संयुक्त रूप से आयोजित किए जायेंगे जिनमे दोनों नौसेना के विशिष्ट बैंड पथक सहभागी होंगे. इसके अलावा यहां पर अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ योग का प्रदर्शन भी किया जायेगा. यह आयोजन इच अस्पताल, गाले फेस ग्रीन एवं विहारमहादेवी पार्क में आयोजित किये जायेंगे. इस अभ्यास में हिस्सा लेने हेतु भारत के दो विशिष्ट जहाज आई एन एस कितन और आई एन एस सावित्री श्रीलंका का दौरा करने वाले हैं. इस कार्यक्रम को बहुत सारे लोग देखेंगे इसलिए कोलंबो में भारतीय उच्चायोग ने मुफ्त प्रदर्शन का आयोजन किया है. . भारतीय उच्चायोग ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर श्रीलंका के जनता को इसमें हिस्सा लेने हेतु आमंत्रित किया है.

विधायक सुनील राणे ने बोरीवली से शुरूआत की स्वतंत्रवीर सावरकर गौरव यात्रा

यात्रा में सावरकर की वीरता और देशप्रेम की कहानियों को जनता तक पहुंचाया जाएगा

मुम्बई। पिछले कुछ दिनों से राहुल गांधी स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर के बारे में दिये गये अपमानजनक बयान के विरोध में भारतीय जनता पार्टी द्वारा देशव्यापी स्वतंत्रवीर सावरकर गौरव यात्रा आयोजित की जा रही है। इस यात्रा की शुरुआत मुंबई के बोरिवली में स्थानीय विधायक सुनील राणे के नेतृत्व में 29 मार्च को चारकोप से आरम्भ की गई।सुनील राणे ने बताया कि 2019 के बाद स्वतंत्रवीर सावरकर का अपमान कांग्रेस के द्वारा लगातार किया जा रहा है। वर्तमान सरकार के विरोध में राहुल गांधी के द्वारा एक सच्चे देशभक्त और स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर का अपमान भारत देश नहीं सहेगा। इस स्वतंत्रवीर सावरकर गौरव यात्रा के आयोजन से हम उनकी वीरता और देशप्रेम की कहानियों को लोगों तक पहुँचायेंगे।

गिरीश बापट साहब के अमूल्य सहयोग को व्यापारी समाज हमेशा याद रखेगा

महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने श्रद्धासुमन अर्पित किए

अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के महाराष्ट्र प्रदेश के महामंत्री शंकर ठक्कर ने कहा पूर्व मंत्री एवं पुणे शहर के सांसद गिरीश बापट साहब के आकस्मिक निधन से व्यापारी समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। उनका योगदान हर क्षेत्र में था लेकिन उनके दिल में व्यापारियों के लिए विशेष जगह थी। व्यापारियों की कोई भी समस्या को सुलझाने के लिए हमेशा तत्पर रहते थे।आगे कहा कि गिरीश बापट साहब ने अपने अपार जनसंपर्क और लोगों की समस्याओं को हल करने की प्रतिबद्धता के कारण महाराष्ट्र की राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई थी। लगातार पांच बार कस्बा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके थे। आम लोगों के कई समस्याओं को हल कर एक आदर्श जनप्रतिनिधि कैसा होता है इसकी मिसाल कायम की थी ।वे व्यापारियों की समस्याओं से अच्छी तरह वाकिफ थे और वे लगातार उनके समाधान के लिए काम कर रहे थे। जनसेवा के प्रति सतत जुनून रखने वाले बापट साहब एक अनुशासित सिपाही की तरह कार्य करते थे।

40 साल लंबे राजकीय जीवन में हर पार्टी की लोगों के साथ भी उतना ही प्रेम भाव बनाए रखते थे इसलिए सभी पार्टियों में उनकी चाहना थी इसलिए वे अजातशत्रु माने जाते थे।महासंघ के महामंत्री तरुण जैन ने कहा जब वे एफडीए एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री थे तब हमारे संगठन के कई समस्याओं को सुलझाने में उन्होंने मदद की थी। खुद मंत्री होते हुए भी सामान्य की तरह पेश आते थे उनका मिलनसार स्वभाव के चलते सभी को अपने लगते थे। उनका अचानक हमारे बीच से चले जाना हमारे संगठन के लिए बहुत बड़ी क्षति है हम उनकी आत्मा को सद्गति मिले ऐसी ईश्वर चरणों में प्रार्थना कर श्रद्धांजलि के सुमन अर्पित करते हैं।:

अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघराष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री शंकर ठक्कर

पूजा हेगड़ेका साउथ इंडियन स्टाइलेमें दिखा जलवा

पैन इंडिया स्टार पूजा हेगड़े की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' को देखने के लिए फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म का एक और गाना रिलीज हो चुका है, जिससे देख फैंस की बेसब्री और बढ़ा रही है। इस फिल्म के नए गाने का नाम 'Bathukamma' है। फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' के 'Bathukamma' में पूरी स्टारकास्ट नजर आ रही है। वहीं, वीडियो सॉन्ग में पूजा हेगड़े का लुक फैंस को बहुत पंसद आया है, कहा जा रहा है की पूजा हेगड़े इस लुक में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं और लोगों को ये लुक बहुत पंसद भी आ रहा है। इस गाने में आपको पूजा हेगड़े देखने को मिलेंगी। गाने के वीडियो में एक्ट्रेस अपने परिवार के साथ पूजा करती नजर आ रही हैं। उनके साथ साउथ सुपरस्टार वेंकटेश दग्गुबाती और बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमिका चावला भी इस वीडीयो

में दिकाई दे रहे हैं। सभी डांस करते हुए सेलिब्रेशन करते हुए नजर आ रहे हैं। पूजा हेगड़े के डांस के बीच सलमान खान साउथ इंडियन स्टाइल में एंट्री करते हैं। 'बथुकम्मा' तेलंगाना का एक फेस्टिवल है, जिसमें महिलाएं फूलों से देवी सती की पूजा करती हैं। गाने में इसकी झलक देखने को मिल रही है। उनके कई फैंस ने सोशल मीडिया पर उनके शानदार डांस मूव्स और शानदार सुंदरता की तारीफ की। इस गाने को फैंस बहुत पसंद कर रहे हैं। फिल्म का गाना कुछ ही मिनटों में सोशल मीडिया और यूट्यूब पर छा गया है।फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' के तीन सॉन्ग्स रिलीज हो चुके हैं, जिसमें 'नइयो लगदा', 'बिली बिली' और 'जी रहे थे हम' हैं। पूजा हेगड़े की फिल्म Kisi Ka Bhai Kisi Ki Jaan को फरहाद सामजी ने डायरेक्ट किया है। फिल्म ईद के मौके पर यानी 21 अप्रैल, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अमूल ने बढ़ाए दूध के दाम, अब चुकाने होंगे दो रुपये ज्यादा; सिर्फ इस राज्य में बढ़ाई गई कीमतें

अमूल ने दूध के दाम में एक फिर बढ़ोतरी कर दी है। इस बार दूध के दाम दो रुपये प्रति लीटर बढ़ाए गए हैं। हालांकि, यह बढ़ोतरी सिर्फ गुजरात के लिए की गई है। इससे पहले जब अमूल दूध के दाम बढ़ाए गए थे, तो वह गुजरात में लागू नहीं हुए थे। गुजरात में दिसंबर 2022 में हुए विधानसभा चुनाव के बाद पहली बार दूध के दाम में बढ़ोतरी की गई है। जानकारी के मुताबिक, एक अप्रैल 2023 से अहमदाबाद और सौराष्ट्र-कच्छ में दूध की कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। सूत्रों की मानें तो चारा और परिवहन की कीमतों में वृद्धि की वजह से दूध की लागत में बढ़ोतरी हुई है। इसलिए अमूल ने दूध की कीमतों में इजाफा करने का फैसला किया है। कीमत में बढ़ोतरी के बाद अमूल मैंस के दूध की कीमत अब 68 रुपये प्रति लीटर, अमूल गोल्ड की कीमत 64 रुपये प्रति लीटर हो गई है। इसके अलावा अमूल शक्ति की कीमत 58 रुपये, अमूल गाय के दूध की कीमत 54 रुपये, अमूल ताजा की कीमत 52 रुपये और अमूल टी-स्पेशल की कीमत 60 रुपये प्रति लीटर हो गई है। अब यहां 500 मिलीलीटर अमूल गोल्ड की कीमत 32 रुपये, अमूल ताजा की कीमत 26 रुपये और अमूल शक्ति की कीमत 29 रुपये प्रति लीटर होगी। छह महीने बाद गुजरात में दूध के दामों में इजाफा किया गया है। इससे पहले अमूल ने अक्तूबर 2022 में दो रुपये प्रति लीटर दाम बढ़ाए थे।

इंडिगो फ्लाइट में एयर होस्टेस से छेड़छाड़ करने वाला 63 साल का विदेशी गिरफ्तार, बैंकॉक से मुंबई आते समय हुई घटना

मुंबई: फ्लाइट में एयर होस्टेस से छेड़छाड़ की घटनाएं कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला इंडिगो की बैंकॉक से मुंबई आ रही फ्लाइट में सामने आया है। यहां नशे में धुत एक 63 साल के स्वीडिश नागरिक ने एयर होस्टेस को गलत तरीके से छूने की कोशिश की। मुंबई पुलिस ने फ्लाइट में केबिन क्रू के साथ छेड़छाड़ के आरोप में स्वीडिश नागरिक को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि कोर्ट से उसे जमानत मिल गई है। पुलिस के अनुसार, क्लास एरिक हेराल्ड जोनास वेस्टबर्ग ने कथित तौर पर एक सह-यात्री के साथ मारपीट की और 6ए-1052 इंडिगो फ्लाइट में बीच हवा में हंगामा किया। सूत्रों ने दावा किया कि आरोपी यात्री ने उस समय अनियंत्रित व्यवहार करना शुरू कर दिया जब चालक दल के एक सदस्य ने उसे बताया कि विमान में खाना नहीं है। गलत तरीके से एयर होस्टेस का हाथ पकड़ा आरोपी चिकन डिश लेने के लिए तैयार हो गया और जब एयर होस्टेस भुगतान करने के लिए पीओएस मशीन लेकर उसके पास पहुंची, तो कार्ड स्वाइप करने के बहाने उसने उसके साथ दुर्व्यवहार किया और गलत तरीके से एयर होस्टेस का हाथ पकड़ लिया। बाद में मामले की सूचना संबंधित पुलिस को दी गई और मामला दर्ज कर लिया गया। पहले भी हुई हैं ऐसी घटनाएं गिरफ्तारी के बाद उन्हें कथित तौर पर अंधेरी मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट के सामने पेश किया गया, जिसने उसे जमानत दे दी। पिछले कुछ हफ्तों में एयरलाइनों की ओर से हवाई यात्रियों के अनियंत्रित होने की ऐसी कई घटनाएं सामने आई हैं। हाल ही में, दुबई से मुंबई जाने वाली इंडिगो की एक फ्लाइट में यात्रा कर रहे दो यात्रियों ने चालक दल की कई चेतावनियों के बावजूद शराब का सेवन जारी रखा। उन्होंने चालक दल और सह-यात्रियों के साथ दुर्व्यवहार किया।

महाराष्ट्र के राज्यपाल ने किया राष्ट्रीय नौवहन दिवस के हीरक जयंती समारोह का उद्घाटन, कहा यात्री परिवहन के लिए भी मुंबई समुद्री मार्ग का हो उपयोग

सीताराम मेवाती

महाराष्ट्र के राज्यपाल महामहिम रमेश बैस ने मुंबई के राजभवन में राष्ट्रीय नौवहन सप्ताह एवं हीरक जयंती राष्ट्रीय नौवहन दिवस का उद्घाटन किया. इस दौरान राज्यपाल ने कहा कि भले ही मुंबई को समुद्र तट का आशीर्वाद प्राप्त है, लेकिन जल परिवहन के लिए समुद्र का पर्याप्त उपयोग नहीं किया गया है। इस संबंध में राज्यपाल ने सुझाव दिया कि माल परिवहन और यात्री परिवहन दोनों के लिए जल परिवहन सेवाएं शुरू करने की संभावनाएं तलाशी जानी चाहिए और उनका विस्तार होना चाहिए.

राज्यपाल ने कहा की दुनिया भर में विभिन्न व्यापारिक जहाजों को चलाने वाले भारतीय नाविकों की संख्या 5.61 लाख है, जो दुनिया के नाविकों का 12% है. हमें इस क्षेत्र में रोजगार की संख्या बढ़ाए जाने पर जोर दिया. राज्यपाल ने कहा की समुद्री प्रशिक्षण संस्थानों को बढ़ाया जाना चाहिए. मौजूदा प्रशिक्षण संस्थानों का विस्तार और भी मजबूत होना चाहिए ताकि लोगों को अधिक

रोजगार के मार्ग विकसित हो सकें. उन्होंने ने कहा आगे कहा की पड़ोसी देशों की अर्थव्यवस्था संकट में है जबकि भारतीय अर्थव्यवस्था काफी मजबूत नींव पर खड़ी है. राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि समुद्री व्यापार क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने राष्ट्रीय नौवहन ने अग्रसर हो कर अपना योगदान देना चाहिए.

भारतीय जहाजरानी महानिदेशालय के महानिदेशक, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के अध्यक्ष और राष्ट्रीय नौवहन दिवस उत्सव केंद्रीय समिति के अध्यक्ष राजीव जलोटा ने जानकारी देते हुए

कहा की दुनिया में 12 प्रतिशत नाविक भारतीय हैं. इस आंकड़े को बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का प्रयास किया जा रहा है और वर्ष 2030 तक यह संभव हो जायेगा. राजीव जलोटा ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया की भारतीय शिपिंग क्षेत्र में महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर ढूंढे जा रहे हैं ताकि महिलाओं को भी इस क्षेत्र में आने का मार्ग सुगम हो. उन्होंने कहा की इस क्षेत्र में महिलाओं की संख्या में भी निरंतर वृद्धि हो रही है. भारतीय शिपिंग में वर्तमान में 3327 महिलाएं जहाज चालक दल के रूप में काम कर रही हैं। जलोटा ने कहा कि इस क्षेत्र में पुरुषों और महिलाओं के बीच समानता के लिए प्रयास किए जा रहे हैं. उन्होने यह भी बताया की इस समय देश भर में 156 समुद्री प्रशिक्षण संस्थान हैं और वे देश के नाविकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण दे रहे हैं।

राजीव जलोटा ने राष्ट्रीय नौवहन दिवस के अवसर पर राज्यपाल रमेश बैस के जैकेट पर राष्ट्रीय नौवहन दिवस का पदक लगाया और नौवहन व्यापार का एक स्मृति चिन्ह भी भेंट किया. इस कार्यक्रम में नौवहन महानिदेशालय के अतिरिक्त महानिदेशक कुमार संजय बरियार, उप महानिदेशक डॉ. पांडूरंग राउत, शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक कैप्टन बीके त्यागी, राष्ट्रीय नौवहन दिवस समारोह आयोजन समिति के निदेशक एवं अध्यक्ष अतुल उबाले, शिपिंग मास्टर मुकुल दत्ता और शिपिंग व्यापार से संबंधित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि और नाविक उपस्थित थे.

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।